शिक्षण विधा

प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ

कक्षा – ६ **विषय : हिंदी** **पुस्तक : वसंत भाग 1 (एन. सी. ई. आर. टी.)**

माह	पाठ का नाम	शिक्षण उद्देश्य	शिक्षण विधि	तकनीकी का उपयोग खेल पाठ सहगामी क्रिया कला	शैक्षणिक उपलब्धि	मूल्यांकन एवं मूल्यांकन तकनीकी एवं उसके मापदंड	पृष्ठपोषण	नैतिक मूल्य
मार्च	1. वह चिड़िया जो	- कविता का सस्वर वाचन | - पशु तथा पक्षियों से संबंधित जानकारी |	- अनुकरण विधि - व्याख्यान विधि	दृश्य-श्रव्य द्वारा पक्षियों की आवाजें सुनाई जाएँगी |	- लयबद्धता एवं भाषा का ज्ञान | - पक्षियों के कलरव को जानेंगे |	- शब्दों के विभिन्न पर्याय संबंधी प्रश्न | - कविता के उतार-चढ़ाव का ज्ञान |	उच्चारण संबंधी कठिनाई वाली छात्राओं को पुनः प्रेरित करना |	- चिड़िया की तरह मधुर बोलने तथा आनंदपूर्वक जीवन व्यतीत करने की
अप्रैल	2. बचपन	- बचपन की रुचियाँ तथा समययानुसार बदलाव | - स्वास्थ्य चेतना | - व्याकरण ज्ञान - संज्ञा, संख्या व परिमाणवाचक विशेषण	- इकाई विधि संवाद (शिक्षक+ छात्र) - निगमन विधि (व्याकरण)	- कला समन्वय संस्मरण सुनेंगे | - आधुनिक चीजों की जानकारी लेंगे |	- जीवन में हो रहे परिवर्तन का ज्ञान होगा | - स्वास्थ्य के प्रति जागृति बढ़ेगी |	- संज्ञा तथा विशेषण संबंधी प्रश्न | - पाठ का सारांश |	- सही उत्तर देने वाली छात्राओं की सराहना | - भाषा संबंधी अशुद्धियों का संशोधन |	प्राचीन तथा वर्तमान जीवन शैली का ज्ञान |
	3. नादान दोस्त	- पशु पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता | - ऋतुओं की जानकारी | - व्याकरण ज्ञान - गुणवाचक विशेषण, सर्वनाम	- पर्यटन विधि - व्याख्यान विधि	भ्रमण द्वारा चिड़ियों के घोंसले दिखाना |	- बड़ों की सलाह के अनुसार कार्य करना सीखेंगे | - जंतु के अंडे स्पर्श करने से हानि |	मानवीयता तथा संवेदन - शीलता पर समूह चर्चा द्वारा मूल्यांकन |	समूह चर्चा की त्रुटियों में सुधार किया जाए |	पशु पक्षियों का संरक्षण |
जून	4. चाँद से थोड़ी -सी गप्पें	- कल्पना शक्ति का विकास | - चाँद संबंधी जानकारी | - कृष्ण तथा शुक्ल पक्ष का ज्ञान | - व्याकरणज्ञान - अनुस्वार तथा अनुनासिक	- प्रत्यक्ष विधि	- पूर्णिमा तथा अमावस्या की चाँद का निरीक्षण | - हिंदी का कैलेंडर दिखाकर तिथियों का ज्ञान |	-चाँद के घटने - बढ़ने का अनुमान लगाएँगे | - माह के दोनों पक्षों व तिथियों का ज्ञान |	- हिंदी महीनों के नाम पूछेंगे | - पेड़,चाँद तथा नदी से गप्पे कैसे करेंगे?	सही जानकारी दी जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की जाए |	कविता के माध्यम से प्रकृति की परिकल्पना | ज्ञान से विज्ञान की ओर यात्रा | निबंध कौशल
जुलाई	5. अक्षरों का महत्व	- शुद्ध उच्चारणके साथ वाचन कौशल | - अक्षरों का प्राचीन इतिहास एवं | - विभिन्न भाषाओं की लिपियों का ज्ञान |	- खोज विधि - संश्लेषण विधि	कला समन्वय – समूह चर्चा द्वारा अक्षरों के महत्व पर चर्चा |	- शुद्ध उच्चारण का अभ्यास होगा| - शब्द एवं वाक्य निर्माण सीख पाएँगे |	मनुष्य,वनस्पति तथा जीव-जंतु की खोजों संबंधी मूल्यांकन |	प्रत्येक छात्रा गतिविधि में सक्रिय रहे |	इतिहास ज्ञान से जुड़कर भाषा के प्रति सम्मान |
	6. पार नजर के निबंध लेखन	- चिंतन शक्ति का विकास | - वैज्ञानिक दृष्टिकोण | व्याकरण ज्ञान – - उपसर्ग, तत्सम, तद्भव,परिमाणवाचक विशेषण, लिंग व वचन	- प्रत्यक्ष विधि - प्रश्नोत्तर विधि	दृश्य - श्रव्य द्वारा मंगल ग्रह या चाँद पर भेजे गए यानों का दृश्य दिखाया जाएगा | पुस्तकालय से निबंधों का	- विभिन्न ग्रहों की स्थिति का ज्ञान | - विज्ञान की उपलब्धियों का ज्ञान | - कल्पना शक्ति का	विज्ञान के प्रति रूचि, जागरूकता तथा अंतरिक्ष संबंधी प्रश्न पूछेंगे |	प्रत्येक छात्रा के लिए सुझाव व प्रोत्साहन | वाक्य विन्यास एवं भाषायी	ज्ञान से विज्ञान की ओर यात्रा | निबंध कौशल
अगस्त	7. साथी हाथ बढ़ाना	- सहयोग की भावना तथा परिश्रम का महत्व समझाना | - गीत का लयबद्ध गायन | - व्याकरण ज्ञान	- अनुकरण विधि - प्रत्यक्ष विधि - व्याख्यान विधि	फिल्म नया दौर का गीत साथी हाथ बढ़ाना दृश्य - श्रव्य माध्यम से दिखाया जाएगा |	- मिलजुल कर कार्य करने की प्रेरणा जागृत होगी | - अर्थ के स्पष्टीकरण का ज्ञान होगा |	- गीत चयन के स्तर के मूल्यांकन | - भावार्थ का स्पष्टीकरण पूछेंगे |	मधुर व प्रभावशाली गायन की सराहना जाएगी |	व्यक्तिगत सामाजिक समस्याओं में सहयोग की भावना |
	8. ऐसे ऐसे	- समय के महत्व का ज्ञान | - माता-पिता की बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता | व्याकरण ज्ञान - प्रत्यय, अनेक शब्दों के लिए एक	- अभिनय विधि - व्याख्यान विधि	कला समन्वय – इस एकांकी का मंचन करवाया जाएगा |	- समय पर कार्य पूरा करेंगे | - कार्य पूर्ण न होने पर सच का सहारा लेंगे | - शिक्षक के सहयोग से छात्राएँ सही मार्ग का अनुकरण करेंगी	- घरेलू नुस्खे पूछेंगे | - कार्य करने के आनंद को व्यक्त करवाना |	- सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए सराहना जाएगी | - कार्य में पीछे रहने वाली छात्राओं को प्रोत्साहन |	समययानुसार कार्य करने तथा सत्य का सहारा लेने की प्रेरणा |

सितंबर	9. टिकट एलबम	- डाक टिकटों का प्रयोग व उनका संग्रह | - बालमन का चित्रण | - व्याकरण ज्ञान - सूचना लेखन के बिंदु कालका	- प्रत्यक्ष विधि - इकाई विधि	चीजें संग्रह करने के शौक के कारण गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुए लोगों के नाम |	- ईर्ष्या जैसे अवगुणों से दूर रहने की प्रेरणा | - लेखनकौशल का विकास |	क्या छात्राओं को भी चीजें संग्रह करने का शौक है? सूचना - लेखन का अभ्यास |	सर्वोत्तम सूचना को विद्यालय के सूचना पट्ट पर लगाना |	शौक पूरा करने के लिए अवगुणों से दूरी |
अक्टूबर	10. झांसी की रानी	- कविता का लयबद्ध गायन | - जन्मभूमि के प्रति प्रेम | - वीर शहीदों का योगदान | - निपात शब्द	अनुकरण विधि	- दृश्य - श्रव्य द्वारा पाठ का श्रवण कराया जाएगा | - स्वतंत्रता- संग्राम सेनानियों के चित्र संकलित करवाएँगे |	- लक्ष्मीबाई तथा अन्य शहीदों के बलिदान का ज्ञान | - निपात शब्दों से वाक्य संरचना |	लक्ष्मी बाई के जीवन संबंधी प्रश्न पूछेंगे?	कमियों को बताकर सुझाव दिए जाएँगे |	जीवन का मूल्य है, देश के लिए काम आना |
	11. जो देखकर भी नहीं देखते	-जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण | -मूक बधिरो की जीवनशैली का ज्ञान | - इंद्रियों की उपयोगिता का ज्ञान | - व्याकरण ज्ञान - समश्रुति भिन्नार्थक शब्द तथा वाक्य	प्रत्यक्ष विधि	ब्लैक नामक फिल्म के कुछ प्रेरक दृश्य दिखाएँगे |	- हेलेन केलर के जीवन से प्रेरणा | - मानव जीवन में इंद्रियों की सार्थकता | - वाक्यों के प्रकार व उनसे	- इंद्रियों को जीवन में क्या महत्व है? - वाक्य संरचना करवाई जाए|	अच्छे विचारों की सराहना की जाए |	जीवन की पूर्णता से प्रेरित होकर आगे बढ़ना |
	12. संसार पुस्तक है	- पत्र लेखन विधा से परिचय | - लेखन कौशल का विकास | - प्राकृतिक संपदा से संसार रूपी की पुस्तक का ज्ञान | - व्याकरण ज्ञान	- पर्यटन विधि - प्रश्नोत्तर विधि	किसी वस्तु के निर्माण की कहानी लिखवाई जाएँगी	- प्राकृतिक तत्वों का ज्ञान | - लेखन तथा कल्पना शक्ति का विकास | - अव्यय से नवीन वाक्यों का निर्माण |	- माँ या पिता के लिए पत्र लिखवाकर देखेंगे | - आपकी पसंदीदा पुस्तक कौन - सी है? और क्यों?	वस्तु के निर्माण की सर्वश्रेष्ठ कहानी को सूचना पट्ट पर लगाया जाए |	- प्राचीन वस्तुएँ तथा पुस्तकें हमारी धरोहर | - वसुधैव कुटुंबकम की भावना |
नवंबर	13. मैं सबसे छोटी हूँ	- माँ के आँचल का सुखद स्मरण | - बालिका के बाल मन का स्वाभाविक चित्रण | - बड़े होने पर माँ के व्यवहार में आए परिवर्तन का ज्ञान |	अनुकरण विधि	दो समूह बनाकर छात्राओं से छोटा होने या बड़ा बनने के कारण जानेंगे |	- माँ की जीवन में महत्व बड़ा बनने या छोटा बने रहने में लाभ | - छात्राओं को पाठ में आए क्रिया शब्द का ज्ञान |	छात्राओं से पूछेंगे कि माँ आप लोगों के लिए क्या-क्या कार्य करती है?	समूह में सक्रिय योगदान के लिए सराहना की जाए |	
	14. लोकगीत	- भारतीय गीत संगीत व वाद्य यंत्रों का ज्ञान | - लोकगीतों तथा लोक भाषा के प्रति ध्यान आकर्षित करना | - भारतीय संगीत के प्रति रुझान |	- इकाई विधि - प्रत्यक्ष विधि	दृश्य - श्रव्य द्वारा पाठ में चर्चित राज्यों के लोकगीत और उन नृत्य दिखाएँ जाएँगे |	- अपने क्षेत्र के लोकगीत का ज्ञान | - प्राचीन गीत संगीत के प्रति रुचि जागृत |	- गीत संगीत के बारे में प्रश्न पूछेंगे |	- प्रत्येक छात्रा के विचारों को सुना जाएगा | - अशुद्धियों का निदान किया जाएगा |	
दिसंबर	15. नौकर	- स्वयं कार्य करने की क्षमता तथा सेवाभाव का विकास | - बड़ों के प्रति समर्पण का भाव | - गांधीजी के साबरमती आश्रम की जानकारी |	इकाई विधि	- गाँधीजी की आत्मकथा पुस्तक से संस्मरण सुनाएँगे | - छात्रा द्वारा स्वयं किए जाने वाले कार्यों की सूची	- गाँधी जी के जीवन से प्रेरणा लेंगे | - शारीरिक श्रम की महत्ता | लेखन कौशल का विकास |	गाँधीजी का देश के प्रति योगदान संबंधी प्रश्न पूछेंगे |	- मुख्य बिंदुओं को श्यामपट्ट पर लिखा जाएगा | - छात्राओं को स्वमूल्यांकन के लिए प्रेरित किया जाए |	गांधीजी का प्रेरणादायी जीवन |
	16. वन के मार्ग	- श्री राम, सीता तथा लक्ष्मण के चरित्र का वर्णन | - वन के मार्ग के कष्टों का वर्णन | व्याकरण ज्ञान - विराम चिन्हों का प्रयोग	- प्रश्नोत्तर विधि - व्याख्यान विधि	रामायण नाटक से राम जी के वन गमन का एपिसोड दिखाएँगे |	- कठिन जीवन जीने की प्रेरणा | - हिंदी शब्दकोश देखना |	- क्या आपने जंगल की यात्रा की है? वहाँ के कष्टों का वर्णन पूछेंगे | - वाक्यों में विराम चिन्हों का प्रयोग |	सर्वप्रथम व सही कार्य के लिए सराहना की जाएगी |	श्री राम, लक्ष्मण तथा सीता का आदर्शवादी जीवन |

जनवरी	17.साँस - साँस बाँस	- बाँस की उपयोगिता व उससे कलात्मक वस्तुओं का निर्माण | - भारतीय सभ्यता तथा संस्कृति का ज्ञान | व्याकरण ज्ञान	- इकाई तथा - प्रत्यक्ष विधि	- बाँस से बनी वस्तुओं को दिखाना | - विभिन्न राज्य में बांस का प्रचलन |	- विभिन्न राज्य में बाँ का प्रचलन | - हाथों की कलाकारी | - लेखन शैली का विकास |	- बाँस से बनने वाली वस्तुओं के बारे पूछेंगे | - किसी विषय पर लेखन करवाएँगे |	अच्छा लेखन करने पर छात्राओं को प्रोत्साहित किया जाए |	बाँस से बनी वस्तुओं के प्रयोग को बढ़ावा |

Dr. Sushma Jain
Principal

Principal
Pratibhasthali Gyanodaya Vidyapeeth
Tilwaraghat, Jabalpur-482001

प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ

Class :VI **Subject : English** **Book :Marigold**

A pact with the sun - Supplementary Reader

Month	Name of the Chapter	Teaching Objectives	Methodology	Integration of ICT/Sports/ Art	Learning Outcome	Assessment	Feedback	Core Values
April	Who died Patrick's Home work **Grammar:** Sentences & Subject & Predicate	1) To encourage to do home work. 2) To arise interest in study. 3) To introduce new vocabulary. 4) To identify the subject and predicate. 5) To frame the jumbled sentences.	❖ Narrating & discussing story.	❖ ICT -video of dwarf. ❖ Drawing	1) Able to do their homework themselves. 2) Know the meaning of new words. 3) Students will be Identify the subject & predicate.	1) Story writing. 2) Worksheet of subject & predicate. 3) Oral test.	1) One who Write property will be appreciated. 2) Some students will be guided. 3) Almost all students will solve the worksheet. 4) Few students may not answer the question	1) Self help is the best help. 2) Help others without any desire of return. 3) Hard-work is must to get success.
	Poem- A House A Home	1) To enable the student to recite the poem. 2) To enhance their verbal skills.	❖ Recitation.	❖ ICT -video of rhyming word.	1) Students will recite poem with proper stress intonation, pause and pronunciation. 2) Able to differentiate between a house and a home.	1) Debate on Joint family v/s Nuclear family.	1) If some students are unable to express their view, will be given motivation and guidance.	1) Love for home and the family members. 2) Home is where the heart is.
	A pact with the sun- A Tale of two birds	1) To understand the importance of friendship. 2) To tell the effect of bad company.	❖ Role play.	❖ Video- the story of two friends	1) Able to identify the different characters in the story. 2) Students will give answers based on the story.	1) Oral test.	1) Students will attempt all six question orally.	1) We must be kind and sensitive towards birds. 2) One is known by the company one keeps.
June	How the dog found himself a new master **Grammar:** Nouns: Kinds and Gender Countable & Uncountable nouns	1) To create awareness of different ways in which dog assist human. 2) To sensitize students towards animals particularly dogs. 3) To revise the previous knowledge and identify the noun from text.	❖ Explanation. ❖ Learning by activity.	❖ Video of different species of dog. ❖ Draw family tree of dog. ❖ Showing real object.	1) Students will know the difference between wild dog and pet dog. 2) Students will be kind towards animals. 3) Students will able to find nouns from text.	1) Summary. 2) Worksheet of Grammar work book.	1) Almost all the students will be able to summarize the story. 2) Some students not be able to answer the question.	1) To be loyal as dog. 2) Choose the perfect master.
	Poem- The kite	1) To develop an understanding of the poem. 2) To develop the ability to sequence events.	❖ Recitation &Explanation.	❖ Kite Flying. ❖ Kite making craft activity.	1) Students may understand the intention of the poet. 2) They will know the life is like a kite.	1) Writing poem on kite.	1) Able students will be practiced to write another similar poem. 2) Unable student will be taken help from text book.	
	A pact with the sun- The friendly mongoose	1) To understand the importance of pet animals. 2) To develop critical thinking.	❖ Story telling	❖ Panchtantra tales video.	1) Able to understand the meaning of "Haste Makes Waste".	1) Question Answers.	1) Some students may not be able to answer the questions.	1) Think before you act.
July	Taro's Reward **Grammar:** Adjective and Degree of comparison	1) To sensitize the students towards the elders especially one's parents. 2) To enable the students to frame aquestionnaires. 3) To develop the ability to compare by using degree.	❖ Story telling. ❖ Learning by activity.	❖ ICT - Video clips of Ramayan and story of shravankumar. ❖ Flash card.	1) Students will obey their parents. 2) Students will frame the questions easily. 3) Students may compare by using degree.	1) Debate – Hard work v/s Luck. 2) Worksheet of grammar work book.	1) If some students are unable to express their views, they could be asked to write on the same topic. 2) Most students should may be able to do this task. 3) Almost all may be able to use degree.	1) Hard work is the key of success. 2) Encourage all children to honour and obey their parents &elders.

	Poem- The Quarrel	1) To understand the thought process of the poet. 2) To test the students ability to respond to a personal dilemma. 3) To develop an understanding of the relationship.	❖ Role play.	❖ ICT - Story of two brothers.	1) Students will express their personal dilemma. 2) Students may understand what the poet wants to say.	1) Comprehension.	1) Those who don't fail too well, will be explained once again and facilitate in the completion of the task.	1) Not to quarrel with others. 2) Accept mistakes.
	A pact with the sun- The Shepherd's Treasure	1) To develop the ability to frame story. 2) To enable students to understand troubles.	❖ Discussion.	❖ P.P.T	1) Able to get rid of their sorrow and troubles.	1) Story writing.	1) Students will be made grammatical errors, need to be checked.	1) Wisdom is the real wealth. 2) Destroy the feeling of jealous.
August	An Indian American woman in space-KalpanaChawla **Grammar:** -Pronoun -Articles Writing Skill(Letter writing)	1) To develop the skill to sequence events. 2) To familiarize students with space vocabulary. 3) To identify the pronoun from text.	❖ Explanation & Discussion. ❖ Learning by activity.	❖ Video clip of KalpanaChawla. ❖ Show encyclopedia in library. ❖ Making flow chart.	1) Students will know about space tragedy 2) Able to know – Encyclopedia knowledge to be an astronaut. 3) Students will understand the use of article and pronoun.	1) Quiz 2) Worksheet of Grammar work book. 3) Class test.	1) The errors in the use of English could be discussed. 2) Some students may able to fill the worksheet.	1) Dream can be made a reality by courage and hard work. 2) God's blessings are most essential.
	Poem- Beauty	1) To sensitize the learners to idea and emotions that, are evoked by nature. 2) To develop the students ability to analyse poetry.	❖ Recitation.	❖ Field trip.	1) Able to analyse poetry. 2) Students will feel the beauty inside oneself.	1) Drawing.	1) Almost all students will be able to draw the beauty of nature.	1) Beauty lies in the eyes of beholder. 2) Work can be beautiful if it is done in a selfless manner.
	A pact with the sun- The old clock shop	1) To develop the social skill to help others.	❖ Discussion.	❖ Street – Play on Anger.	1) Able to understand the need of others and ready to help them.	1) Worksheet.	1) If students are unable to solve the worksheet, they will be guided.	1) Be generous and always be ready to help others, without any desire of return.
September	A different kind of school **Grammar:** -Verbs -Modal (Auxiliaries)	1) To sensitize the students about differently abled people. 2) To develop the feelings and emotions of others. 3) To identify the verb from the text.	❖ Inductive method. ❖ Learning by doing.	❖ Movie clip of Helen Keller.	1) Students will understand the feelings of differently abled people. 2) Able to identify verbs and modals.	1) Writing a speech on visit. 2) Worksheet of Grammar book. 3) Oral test.	1) Some students may share their feelings. 2) A few of students may not be able to speak fluently, will be motivated. 3) Some students may not be able to learn form of verbs.	1) Understanding the feelings of disabled person. 2) Importance of five sense organs. 3) Developing the feelings of kindness and empathy.
	Poem- Where do all the teachers go	1) To develop an understanding of the main idea of the poem. 2) To bring out the difference between the normal people and teacher.	❖ Recitation.	❖ Discuss with teacher and make creative card for teacher.	1) Students may find the difference between normal people & teacher. 2) Able to understand the idea of the poem.	1) Question Answer.	1) Those who cannot answer the questions will be re-visited and clarify the concept.	1) Always respect and obey your teacher.
	A pact the sun- Tansen	1) To bring out the difference between the classical music and pop music. 2) To help the students to identify the sound of different musical instruments.	❖ Direct method.	❖ Visit the music room. ❖ Listening sound of musical instruments and ragas.	1) Able to identify the different musical instrumental sound. 2) Students may bring out the difference.	1) Photographs.	1) Some students may not be able to identify the picture of Indian musician and musical instruments.	1) Arise Interest in classical music.
October	Who I am	1) To develop the creativity of the students. 2) To give personal response to the text. 3) To reflect on analyse and evaluate their own work.	❖ Discussion.	❖ (Craft) Visit to handloom and Art and craft room.	1) Students will express their own Interest why that Want to become. 2) Students will know the different types of profession (job).	1) Debate – Job v/s Business.	1) If some students are unable to express their Ideas, they could be asked to write on the same topic.	1) Knowledge is the virtue of soul. 2) Everyone should have passion to become successful.

	Grammar: -Tense -Writing Skill -Diary entry	4) To identify the tenses.	❖ Role playing.	❖ (ICT) Listing story on tenses.	3) Will learn the usage of tenses through speaking.	2) MCQs on tenses.	2) Some may use correct tense.	
	Poem- The wonderful words	1) To enable the students to read and comprehend the poem. 2) To understand the importance of words.	❖ Recitation.	❖ (ICT) Word Game.	1) Able to understand the importance of words. 2) Able to answer of comprehend poem.	1) Group discussion.	1) If some students may be unable to express their ideas thoughts, will be guided them.	1) Think before you speak. 2) If your tongue is positive you will be liked by all.
	A pact with sun - The monkey and crocodile	1) To enable the students to enhance vocabulary. 2) To develop the true relations with friends.	❖ Story telling.	❖ Video of panchtantra tales.	1) Will know the meaning of new words. 2) Understanding the importance of true friendship.	1) Oral test.	1) Most students should be able to answer.	1) To betray areal friend is a sin.
Nove mber	Fair play **Grammar:** -Adverb -Interjection	1) To develop the logical ability of the students. 2) To develop the ability to respond to a situation. 3) To understand the importance of justice, 4) To understand the meaning and usage of adverb. 5) To enable to express feeling by interjection.	❖ Conversation. ❖ Inductive method.	❖ Visit the village and meeting withpanch. ❖ Power point presentation.	1) Able to handle the situation. 2) Understanding the meaning of fair and truth. 3) Will learn to use of adverb and interjection.	1) Drama. 2) Worksheet.	1) Almost all students may participate in drama. 2) Some students may not be able to use correct adverb.	1) A friend in need is a friend indeed. 2) Always speak truth.
	A pact with sun - A wonder called sleep	1) To discuss the advantage of sleeping on time. 2) To give knowledge about importance of dreams.	❖ Discussion.	❖ (ICT) Disadvantage of improper sleep through video.	1) Will sleep on time. 2) Understanding the most obvious advantage of dream.	1) Observation.	1) Almost all students may observe the side effect of improper sleep.	1) Early to bed and early to rise, to Maker man healthy wealthy and wise.
Dece mber	A Game of chance **Grammar:** -Preposition -Conjunction -Story writing	1) To enable the students to think of an alternative ending. 2) To introduce new vocabulary. 3) To learn the use of preposition and conjunction. 4) To enable to write story.	❖ Story telling. ❖ Learning by doing.	❖ Video of fun fair. ❖ Playing cards. ❖ ICT picture on preposition. ❖ Drawing.	1) Understanding the meaning of new words. 2) While speaking they will use preposition and conjunction.	1) MCQs. 2) Writing test.	1) Abled students will be practiced to do a similar exercise with other chapter. 2) Almost student may fill correct preposition and conjunction.	1) We should obey our elders. 2) Don't depend on faith.
	A pact with sun- A pact with sun	1) To develop ability to understand the needs of sick person. 2) Importance of cleanliness for health.	❖ Discussion on disease.	❖ Visit the hospital.	1) Will help the needy and sick person.	1) Debate on Naturopathy v/s Allelopathy.	1) Some students may only speak a few sentences about naturopathy.	1) Morning walk is good for health.
	Poem- vocation	1) To enhance the creative skill of the students. 2) To recite the poem with intonation.	❖ Recitation with feeling.	❖ Visit to worker home and talk with them. ❖ Card making Craft activity.	1) Will recite poem with correct pronunciation.	1) Cross word puzzle.	1) If some students are unable to complete the cross word.	1) No Sweat No Sweet. 2) No Pain No Gain.
Janu ary	Desert Animals **Grammar:** Punctuation Voice	1) To take a diagnostic test after the students have finished reading the lesson. 2) To give knowledge about desert animals. 3) To punctuation the sentences appropriately. 4) To identify the voice and change into other voice.	❖ Question Answer. ❖ Learning by doing.	❖ (ICT)Video clipping of desert life. ❖ Drawing on punctuation marks.	1) Able to read and understand. 2) Students will search more information about desert animals. 3) Will use types of punctuation marks. 4) Will learn the rules of changing voice.	1) Worksheet. 2) Class test.	1) Most students will be able to solve worksheet. 2) Almost students may answer at class test.	1) Animals are getting extinct. So we should preserve wild life.
	A pact with sun- What happen	1) To enable the students to frame a questionnaires. 2) To give knowledge about	❖ Project on reptiles animals.	❖ Movie clipping of "EkChizMilegi	1) Will collect information about reptile. 2) Will frame questions easily.	1) Quiz.	1) Some students may collect the information about reptile.	1) Be kind towards living beings.

	to the reptiles	reptiles.		Wonderful".				
Februa ry	The Banyan Tree **Grammar:** Reported Speech	1) To enhance vocabulary and use it effectively. 2) To develop curiosity about adventure of wild life. 3) To change the sentence into indirect speech.	❖ Explanation. ❖ Learning by doing.	❖ (ICT) Showing photographs on wild life animals. ❖ (ICT) Power Point Presentation	1) Able to know vocabulary of text. 2) Will know the that mongoose should always be so keen on fighting the cobra. 3) Able to change into indirect speech.	1) Project on wild life. 2) Worksheet of grammar book.	1) All students may collect information about adventure of wildlife. 2) Some students will be able to fill worksheet.	1) We should not be aggressive like wild animals and try to forgive.
	A pact with sun- A strange wrestling match	1) To motivate for playing games. 2) To develop the mental strength.	❖ Play way method.	❖ (ICT) Video on wrestling match.	1) Will solve the reasoning test for increasing mental strength.	1) Competition among students.	1) Almost all students may take part in competition eagerly.	1) Mental strength is more important than the physical strength.

Dr. Sushma Jain
Principal

Principal
Pratibhasthali Gyanodaya Vidyapeeth
Tilwaraghat, Jabalpur-482001

प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ

कक्षा : 6 विषय : संस्कृत पुस्तक : रुचिरा

माह	पाठ	शिक्षण उद्देश्य	शिक्षण विधि	तकनीकी का उपयोग खेल पाठ सहगामी क्रिया कला समन्वय	शैक्षणिक उपलब्धि	मूल्यांकन एवं मूल्यांकन तकनीकी एवं उसके मापदंड	पृष्ठपोषण	नैतिक मूल्य
मार्च	पाठ: 1 अकारान्त पुल्लिंग	अकारान्त पुल्लिंग का ज्ञान करना | संज्ञा एवं सर्वनाम बोध कराना| क्रियाओं का बोध कराना |	उच्चारण विधि प्रदर्शन विधि	चित्रों के माध्यम से लिङ्ग एवं वचन का ज्ञान करना |	शुद्ध उच्चारण का विकास अकारान्त एकवचन,द्विवचन बहुवचन का बोध हुआ | पशुओं के नाम, रंगों के नाम व पहचान |	शुद्ध उच्चारण| श्यामपट पर वर्ण विच्छेद मे व वर्ण संयोजन में सुधार |	शुद्ध उच्चारण करने वाली छात्रा का उत्साह वर्धन कराना | कमजोर छात्र - छात्राओं को आगे आने के लिए प्रेरित करना |	जैसे व्यंजन स्वर के विना नही रहता अधूरा है, स्वर में व्यंजन का प्रयोग होता है,वैसे ही सभी में सहयोग की भावना का विकास कराना| एकता, मिल-जुल कर रहना सहभागिता की भावना का विकास|
अप्रैल	मणिका व्याकरण , संस्कृत- वर्णमाला	संस्कृत- वर्णमाला में स्वर और व्यंजन का बोध कराना |	प्रश्नोत्तर विधि	वर्णमाला का कार्ड के माध्यम से ज्ञान कराया | द्रश्य व श्रव्य सामग्री को प्रयोग |	वर्णमाला व मात्रा की पहचान | स्वर और व्यंजन का ज्ञान व्यंजन - स्पर्श अंतस्थ, ऊष्म आदि का ज्ञान| संयुक्त व्यंजन का ज्ञान	शुद्ध उच्चारण हुआ |	छात्राओं को तीन समूह में बांटकर प्रश्न करके उनका उत्साह बर्धन किया |	
	पाठ 2 आकारान्त स्त्रीलिंग	आकारान्त स्त्रीलिंग का ज्ञान करना | आकारान्तसंज्ञा एवं सर्वनाम बोध कराना| क्रियाओं का बोध कराना| शव्द कोश बढ़ाना|	मौखिक विधि प्रश्नोत्तर विधि	कक्षा की छात्राओं के नाम की सूची बनाकर आकारान्त स्त्रीलिंगकी पहचान करायी (श्यामपट के प्रयोग से)	निर्णय की क्षमता का विकास	आकारान्त स्त्रीलिंगमे दक्षता वर्ण संयोजन का ज्ञान (श्याम पट पर)	संकोची छात्राओं को आगे बढाना| कमजोर छात्राओ की सराहना करना| अच्छी विचाराभ्याक्ति करने वाली छात्राओं को प्रोत्साहित करना |	सृजनात्मक क्षमता का विकास तर्क शक्ति का विकास
जून	पाठ 3 अकारान्त नपुंसकलिंग	अकारान्त नपुंसकलिंग शब्दों का ज्ञान कराना| क्रियाओं का ज्ञान कराना	चित्र प्रदर्शन विधि	विद्यालय के आसपास की नपुंसकलिंग बोधक वस्तुओं की सूची बनाकर प्रयोग करवाया | दश नपुंसकलिंग बोधक शब्दों के चित्र बनाकर वचन का ज्ञान करवाया	चिंतन शीलता का विकास शब्द कोश की वृद्धि	शुद्ध उच्चारण का विकास | तीनों लिंग, तीनों वचन पर सामूहिक चर्चा	कार्य मे कमी रह जाने पर उसे पूर्ण करने हेतु प्रेरित किया जायेगा |	
जुलाई	पाठ 4 क्रीड़ास्पर्धा; (सर्वनाम)	सर्वनाम शब्दों का एकवचन, द्विवचन बहुवचन का बोध कराना| तीनों पुरुष प्रथम पुरुष , मध्यमपुरुष ,उत्तम पुरुष का ज्ञान कराना विभिन्न खेलों की जानकारी देना| खेलों का जीवन मे महत्व बताना |	संवाद विधि अभिनय विधि	दृश्य सामाग्री का प्रयोग	विभिन्न खेलों के बारे में ज्ञान हुआ| मानसिक और शारीरिक विकास	तार्किक क्षमता का विकास अभिव्यक्ति व प्रस्तुति करण उच्चारण की शुद्धता पर ध्यान देना |	छात्राओं के अभिनय की सराहना करना | संकोची छात्र -छात्राओं को अभिनय के लिए प्रेरित करना	विकलांगों के प्रति आदर की भावना | खेलों से प्रेम व आत्म विश्वास की भावना जागृत हुई |
अगस्त	पाठ: 5 वृक्षा:	वृक्षों के महत्व बताना	उच्चारण लयात्मक प्रस्तुति दृष्टांत विधि सस्वर गायन	श्यामपट कार्य विद्यालय के आसपास लगे वृक्षों के समीप जाकर नाम, उपयोगिता और महत्व बोध	परोपकार की भावना का विकास | वृक्षारोपण की भावना जागृत होना| सृजनात्मकता का विकास |	भाषा पर दक्षता भावाभिव्यक्ति सस्वरवाचन वृक्षारोपण	अच्छे विचारों की सराहना करना | वृक्षों से प्रेम	वृक्षों की सुरक्षा और अन्य लोगों को इसके लिये सजग करने की प्रेरणा देना |

	पाठ: 6 समुद्रतट: कारक व्याकरण	तृतीया और चतुर्थी विभिक्ति का प्रयोग करना| भारत के प्रसिद्ध समुद्रीय तटों का ज्ञान कराना | कारक का बोध कराना	चित्र प्रदर्शन विधि प्रश्नोत्तर विधि अनुवाद विधि	दृश्य श्रव्य तकनी की के द्वारा समुद्र तटों का परिचय करना | दृश्य श्रव्य तकनी की के द्वारा अभिनय शैक्षणिक यात्रा के माध्यम समुद्रीय तटों पर जाकर बोध देना |	विद्यार्थी मे विशाल समुद्रीय तटों के प्रति रुचि और अपने भारत देश के प्रति गौरव उत्पन्न हुआ | भाषायी कौशल का विकास हुआ |	विषय से संबंधित प्रश्न पुंछे जाएंगे | मौखिक परीक्षा लिखित परीक्षा (टेस्ट)	उत्तम कार्य की प्रशंसा | कमजोर छात्राओं को पुन: निर्देशन | संकोची छात्राओ का प्रोत्साहित करना |	प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों पर प्लास्टिक उपयोग की हाँनियों से अवगत कराते हुए इसका का प्रयोग बंद करने और नदी समुद्र आदि की सफाई सुरक्षा आदि का संकल्प के लिए प्रेरणा देना | षट कारकों से आत्मा का चिंतन देना परमात्मा में लीन होने तक |
सितंबर	पाठ: 7 बकस्य प्रतीकार: अव्यय प्रयोग	अव्यय का बोध व प्रयोग कराना तार्किक बौद्धिक क्षमता का विकास	अभिनय विधि संवाद विधि	कहानी (कथा) को दृश्य श्रव्य तकनीकी के माध्यम से निर्णय क्षमता का विकास अभिनय क्षमता का विकास	निर्णय क्षमता का विकास अभिनय क्षमता का विकास	कथा को रिक्त स्थान के माध्यम से पूर्ण ज्ञान का परीक्षण	छात्राओं को कहानी सुनाने पर प्रोत्साहित करना | सही उत्तर देने पर प्रोत्साहित करना| अभिनय की सराहना करना|	दुर्व्यवहार का फल दु:ख दायक होता है | अत: सुख चाहने वाले मनुष्य को अच्छा व्यवहार करना चाहिए |
सितंबर	पाठ: 8 सूक्ति स्तबक:	सूक्तियों का ज्ञान कराना| नैतिक मूल्यों का विकास करना |	सस्वर गायन अनुकरण विधि	कला समन्वय श्याम पट मौखिक परीक्षा	स्वर लय का विकास वाचन कौशल का विकास चिंतन शीलता का विकास	रिक्त स्थान की पूर्ति सूक्तियों का कंठस्थ कराना	उच्चारण में सुधार भावार्थ में संशोधन	परिश्रम से सफलता मिलती है इच्छाओं से नहीं|
अक्टूबर	पाठ: 9 अंगुलीयकम प्राप्तम	गुण और दोषों का ज्ञान सत्यता का ज्ञान कराना |	अभिनय विधि संवाद विधि	संवाद का प्रयोग आदर्श नाटक (कथा के द्वारा महाकवि कालिदास के अभिज्ञान शाकुंतलम की विषय वस्तु बताना)	कर्तव्य बोध का ज्ञान हुआ| संस्कृत के महा कवि के प्रति बहुमान होना |	विषय से संबंधित प्रश्न पूंछना| श्याम पट पर कठिन शब्द लिखकर उसके अर्थ से अवगत कराना |	संवाद शैली और अभिनय के लिए कमजोर छात्राओ को करना |	सत्य की हमेशा विजय होती है प्रेरणा देना |
अक्टूबर	पाठ: 10 कृषिका: कर्मवीरा	परिश्रम के महत्व का ज्ञान करना| सहनशीलता साहिष्णुता एवं उदारता के गुण विकसित करना |	सस्वर गायन विधि उच्चारण	प्रश्नोत्तर, आस-पास के कृषक से प्रत्यक्षीकरण कराना |	कर्तव्यबोध ज्ञान	मौखिक परीक्षा कठिन शब्द लिखना गलत का संशोधन करना |	गायन प्रतियोगिता के लिए प्रेरित करना |	गर्मी सर्दी और भूख सहने की प्रेरणा, सहन शीलता व उदारता के गुणों का विकास हुआ | आलस नहीं करने की प्रेरणा |
नवंबर	पाठ: 11 पुष्पोत्सव: सप्तमी विभक्ति:	भारत वर्ष के उत्सवों का ज्ञान कराना | संस्कृत शिक्षण को प्रभावी बनाना | शुद्ध भाषा को व्यक्त करने की प्रेरणा |	प्रदर्शन विधि निगमन विधि	दृश्य सामग्री द्वारा रचनात्मक कार्य श्याम पट कार्य	विभिन्न उत्सवों का और फूलों के सौंदर्य बोध का विकास कराना | भाषा के कौशल में वृद्धि करना |	भावार्थ का मूल्यांकन विभिन्न पुष्पों की पहचान कराना| लिखित टेस्ट	त्योहारों के वारे में बोलने को प्रोत्साहित करना |	विभिन्न त्योहारों की पवित्र मूल भावनाओं को सुरक्षित रखने का प्रयास करना |
नवम्बर	पाठ: 12 दशम: त्वं असि	संख्याओं का प्रयोग कराना |	आदर्श नाट्य विधि अभिनय विधि	ड्राइंग चित्र का सहयोग, गणना चार्ट का प्रयोग	मानव मात्र के प्रति प्रेम बात्सल्य और एकता की भावना जागृत होना |	खेल खेल में संख्याओ की मौखिक परीक्षा	प्रत्येक को स्वमूल्यांकन के लिय प्रेरित किया जाएगा |	धैर्य और समझदारी से समस्या सुलझाने की प्रवर्ती का विकास
दिसंबर	व्याकरण	छात्राओं को शब्द रूप धातु रूप का ज्ञान कराना |	गायन विधि	श्याम पट का प्रयोग, मौखिक परीक्षा, वस्तुओं को सामने लाकर	लिङ्ग भेद मे करने का विकास, लय का ज्ञान	कर्ता व क्रिया का ज्ञान तीन पुरुष, तीन वचन, तीन लिङ्ग का बोध हुआ |	छात्राओं द्वारा श्यामपट पर लिखवाकर उनका संशोधन करना | शब्दनिर्माण करने की क्षमता उत्पन्न कराना |	संस्कृत भाषा के प्रति विशेष अनुराग एवं उसको व्यवहार में लाने की प्रेरणा |
दिसंबर	पाठ: 13 लोक मंगलम	लोक मंगल की कामना से अवगत कराना | वेदों की महिमा बताना | अर्थ ग्रहण करने की क्षमता का विकास |	गायन विधि	तकनीकी द्वरा लय का ज्ञान कराना |	श्लोक के माध्यम से बुराई से अच्छाई की ओर चलने की प्रेरणा| लोककल्याण की भावना का विकास	श्लोक कंठस्थ मौखिक सस्वर गायन	गायन कला मे सुधार भावार्थ में संशीधन	सच्चाई,ज्ञान का प्रकाश और श्रमशीलता का विकास
जनवरी	पाठ: 14 अहह आ: च	सज्जब लोग की महिमा का बोध कराना	व्याख्या प्रणाली संवाद विधि	दृश्य श्रव्य तकनीकी के द्वारा सज्जन सेवक का परिचय |	जिज्ञासा समाधान करने की प्रकृति का विकास |	वस्तुनिष्ठ परिक्षा स्मृति का विकास |	अच्छे विचाराभियक्ति करने वाली छात्राओं को प्रोत्साहित करना | अन्य सभी छात्राओं को	सेवा भक्ति प्रेम ,हिम्मत विनम्रता व्यवहार मे लाने की प्रेरणा |

							सकारात्मक सोच के लिए अग्रसर करना |	
जनवरी	मणिका व्याकरण	संस्कृत के प्रति रुचि जागृत करना |	कार्ड विधि, अंताक्षरी विधि	श्यामपट द्वारा | वस्तुओं के प्रदर्शन से चार्ट आदि से	संस्कृत बोलने मे रुचि होगी |	खेल खेल में संस्कृत का विकास हुआ |	सभी छात्राओं को संस्कृत बोलने के लिये प्रेरित करेंगे|	धार्मिक, मौलिक व सांस्कृतिक सुरक्षा के भावों का विकास हुआ |
फरवरी	पाठ: 15 मातुलचंद्र:	प्रकृति से प्रेम चंद्रमा से रिश्ता और रिश्तों का महत्व काव्य पाठ में रुचि पैदा करना |	सस्वर गायन विधि सांकेतिक विधि	चंद्रमा का विस्तार बोधक ज्ञान व्याख्या विधि से	सकारात्मक सोच का विकास| संवेदन शीलता का विकास	बौद्धिक क्षमता का विकास | उच्चारण के विभिन्न तरीकों से परिचित होना |	सभी छात्राओं को संस्कृत गीत रुचि पूर्वक मिलकरगाने को प्रोत्साहित करेंगे |	प्रेम बात्सल्य और स्नेह के भावों का विकास| भाईचारे भावना के लिये प्रेरित करना | (ढाई अक्षर प्रेम का)

Dr. Sushma Jain
Principal
Principal
Pratibhasthali Gyanodaya Vidyapeeth
Tilwaraghat, Jabalpur-482001

प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ

कक्षा : 6 विषय : गणित पुस्तक : एन. सी.ई.आर. टी.

माह	पाठ	शिक्षण उद्देश्य	शिक्षण विधि	तकनीकी का उपयोग खेल पाठ सहगामी क्रिया कला समन्वय	शैक्षणिक उपलब्धि	मूल्यांकन एवं मूल्यांकन तकनीकी एवं उसके मापदंड	पृष्ठपोषण	नैतिक मूल्य
मार्च	अपनी संख्याओं की जानकारी	- राष्ट्रीय - अंतराष्ट्रीय पद्धतियों का प्रयोग करना, सिखाना - भार,चाल,मूल्य आदि का ज्ञान कराना व इन्हें गुणा,भाग, जोड़, घटाना की संक्रियाओं द्वारा हल करना	- शिक्षक छात्रा अभिनय	- आइ सी टी द्वारा प्रदर्शन (दृशय - श्रव्य) - खेल द्वारा - नाटक द्वारा	-छात्राए संख्याओं को विभिन्न पद्धतियों में परिबर्तित करने में सक्षम होगी - विभिन्न राशियों की इकाई परिवर्तित करने मेंसक्षम होगी	30 प्रश्नों की अभ्यास पत्रक(वर्क शीट) हल करेंगी -बहुविकल्पीय रिक्तस्थान सत्य\असत्य ½ अंक (20) -इबारतीप्रश्न -सूत्र 1\2 अंक -गणना 1अंक	-छात्राए जो शीघ्र हलकरेंगी को कक्षा में सम्मानित किया जायेगा | -आंशिक सही होने पर अथवा पूर्णता असफल होने पर उन्हें योग्यतानुसार समझाकर पुनः कुछ प्रश्न हल करने दिए जाएगे |	-जीवन में अपव्यय का महत्व आयेगा | -समय प्रबन्धन करना |
अप्रेल	पूर्णांक	- प्राकृत,पूर्ण संख्याओं को दोहराते हुए “ऋणात्मक - संख्याओं ” से परिचित कराना - सं्ख्याँ - रेखा का प्रयोग कर निष्कर्ष निकालना	- विचार - विमर्श विधि - दृष्टांतविधि	-मेले का आयोजन - आइ सी टी द्वारा प्रदर्शन (दृशय - श्रव्य) - खेल द्वारा	- छात्रा भौगोलिक परिस्थितयो को समझने में सक्षम होंगे समुद्र-तल में ऊंचाई ,गहराई - तापमान , हिमांक आदि को समझेंगी - लाभ - हानि को समझने मेंयोग्य होंगी	- 20 प्रश्नों की अभ्यास पत्रक(वर्क शीट) हल करेंगे बहुविकल्पीय रिक्तस्थान सत्य\असत्य ½ अंक (10) -इबारतीप्रश्न -सूत्र 1\2 अंक -गणना 1अंक	-जो जल्दी समझ लेगे उनकी मदद से , जिन्हें समझने मे परेशानी है उनकी सहायता करवायेगे -नए उदाहरण देगे	-जीवन मे गुणों को बढ़ाने मे व अवगुणों को कम करने मे मदद मिलेगी - जीवन मे आय व्यय को व्यवथित करना सीखेगे
जून-जुलाई	आधारभूत ज्यामितीय अवधारणाएं	- प्रारंभिक ज्यामिति का प्रयोग करना परिचय एवं परिभाषित - सम्मुख भुजाएं, कोणों ,आसन्न भुजा, व कोणों का ज्ञान कराना - वृत्त के भागों से परिचय कराना - समांतर व प्रतिछेदी रेखाओं का ज्ञान कराना	- प्रयोगशाला विधि - वर्धा योजना	- रंगीन कागज पर वार्ली पेंटिंग बनाना - खेल - योगासन द्वारा	- विद्यार्थी किरण, रेखा व रेखाखंड में अंतर करने में सक्षम होंगे - विद्यार्थी कोण व भुजाओं के आधार पर त्रिभुजों में अंतर कर सकेंगे -जीवा, व्यास ,त्रिज्यखंड व वृत्तखंड पहचान सकेंगे	- छात्रावास कक्षा कक्ष घर आदि की खिड़की दरवाजे फर्श आदि की आकृतियों का निरीक्षण कर पाएंगे - उनमें उपस्थित सम्मुख कोण भुजा प्रतिच्छेदी,समांतर रेखा आदि की जानकारी लेंगे	- सही व स्पष्ट उत्तर देने वाले छात्रों की सराहना करना - असमर्थ या आंशिक समर्थ छात्रों को विद्यालय में ही पुनः विभिन्न निर्मित आकृतियों के माध्यम से समझा कर उनका ज्ञान वर्धन करेंगे	- हमारे देश की वास्तु रचनाओं मंदिर घर आदि की आकृतियों के सृजन में गौरव महसूस करेंगे - ऐसी नवीन निर्माण के प्रति उत्साहित होंगे
जुलाई	प्रारंभिक आकारों को समझना	- कोणों और रेखाओं की सहायता से - भुजाओं के आधार पर तथा - कोणों के आधार पर त्रिभुजों का ज्ञान कराना बहुभुज से परिचित कराना	- प्रयोगशाला विधि - संश्लेषण विधि	- योगासन द्वारा - जियो बोर्ड की सहायता से - विभिन्न प्रकार की बहुभुज से कक्षा कक्षाओं को सजाकर	-विद्यार्थीकोबहुभुज आकृतियोंऔरकोणोंका ज्ञानहोगा - त्रिभुजोंका,त्रिभुजोंकीभुजावकोणों केआधारपरअंतरकरपाएंगे	 -दिए हुए चित्रों के आधार	- बहुभुज की आकृतियों में स्पष्टता ना होने पर सुधार की सलाह दी जाएगी	- त्रिभुज के द्वारा सच्चे देव शास्त्र गुरु के प्रति आस्था रखने में प्रेरित होंगे - चतुर्भुज वृत्त द्वारा घर को जोड़े रखने में

					भवनऔरइमारतोंमेंविभिन्नआकारोंकोखोजपाएंगे	पर पांच प्रश्न पूछेंगे प्रत्येक प्रश्न 2 अंक - कक्षा सज्जा करते समय उनका निरीक्षण किया जाएगा		,एक समूह में रहते हुए अपने उद्देश्य से जुड़े रहने के लिए प्रेरित होंगे
अगस्त	बीजगणित	- चरों तथा अचरो से परिचय कराना - इनकी निश्चित और अनिश्चित स्थिति से अवगत कराना	- आगमन विधि - दृष्टांत द्वारा	- दृश्य श्रव्य - चित्र अभिनय	-चर और अचर के प्रति धारणा बनाएंगे - चरों और अचरों दोनों में अंतर कर पाएंगे	- अभ्यास पत्रिका में प्रश्न हल करेंगे मापदंड - कथन को बीजगणित के रूप में लिखना - 1 अंक -हल करना - 1 अंक	- सही ना करने वाले छात्रों को पुनः अभ्यास करवाकर प्रश्न पत्र हल करवाया जाएगा	- सिद्ध चरों की तरह शाश्वत हैं समझेंगे - अचर की तरह व्यक्ति अपने कर्मों के अनुसार विभिन्न गतियों में भ्रमण करता है - चर कीतरहअच्छाइयों में दृढ़ होना सीखेंगे - अज्ञात में विश्वास करना सीखेंगे
अगस्त	आंकड़ों का प्रबंधन	- मिलान चिन्ह द्वारा संख्या ज्ञात करके सीखना /ज्ञात कराना - चित्र आलेख द्वारा आंकड़ों को वस्तुओं के रूप में निरूपित करना - दंड आलेख को ग्राफ द्वारा बनाना	- प्रदर्शन विधि	- पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के द्वारा आईसीटी दृश्य श्रव्य 5-5 विद्यार्थियों के समूह में आंकड़ों को ग्राफ के माध्यम से	- शीघ्र गणना करने में सक्षम हो पाएंगे आंकड़ों से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देने में सहायक होगा	- पांच प्रश्न पीपीटी के द्वारा हल करवाएं प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का - तीन प्रश्न ग्राफ पेपर पर बनवाना प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का	- सही प्रश्न हल करने वालों को प्रोत्साहन दिया जाएगा - कुछ भाग गलत होने पर उन्हें सुधारने की सलाह दी जाएगी	- बौद्धिक विकास होगा , सहयोग की भावना पैदा होगी, कला कौशल का विकास होगा
सितम्बर	अनुपात समानुपात	- अनुपात का ज्ञान कराना - समानुपात ज्ञान कराना/ ज्ञात कराना	- तुलनात्मक विधि - नाट्य विधि	- नाटक अभिनय - खेल द्वारा	- विद्यार्थी राशियों के परिमाण की तुलना करना सीखेंगे	- आकृतियों पर आधारित कार्यपत्रक 10 प्रश्न - प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का	- प्रोत्साहन देकर और अच्छी कार्य करने की ओर बढ़ाएंगे गलत करने वाले छात्रों को पूरा हल करने करेंगे पुनः हल करने को कहेंगे	- तुलनात्मक दृष्टिकोण का विकास होगा -निरंतर व नियमित रूप से कार्य करने की भावना विकसित होगी
सितम्बर	सममिति	- आकृतियों को संतुलित करना - सममिति रचनाओं का निर्माण करना	- प्रदर्शन विधि -चित्र निर्माण विधि	- तकनीकी द्वारा आगरा का ताजमहल - रंगोली	- आकृतियों को समान भागों में विभाजित करना सीखेंगे - दर्पण मे वस्तुओं का प्रतिबिंब देखकर सममिति ज्ञात करना सीखेंगे 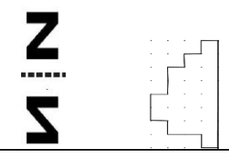	- आकृति आधारित कार्यपत्रक - 10 चित्रों को सममिति की सहायता से पूर्ण करवाना -प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का	- उत्कृष्ट चित्र को सूचना पट पर प्रदर्शित किया जाएगा - असमर्थ छात्राओं को चित्र बनाने में सहायता की जाएगी	- बौद्धिक व तार्किक विकास होगा - आत्मविश्वास की भावना जागृत होगी -जीवन में संतुलन आएगा

अक्टूबर	पूर्ण संख्याएँ	पूर्ण संख्याओं के साथ संक्रियाएँ (+ - *) करना संख्या रेखा पर योग व्यवकलन और गुणा करना सीखना	आगमन विधि संश्लेषण विधि	विद्यार्थी प्राकृत संख्याओं के साथ इबारती प्रश्न हल करना सीखेंगे विद्यार्थी संख्या रेखा पर क्रम विनिमेयता प्रगुण का उपयोग कर सकेगें	खेल द्वारा चार्ट द्वारा	१० कार्यपत्रक वस्तुनिष्ठ प्रत्येक प्रश्न =१ आकृति बनाना =१/२	कमजोर छात्रों की त्रुटियों को दूर करने हेतुसुझाव दिए जाएँगे विद्यार्थी को स्व मूल्यांकन हेतु प्रेरित किया जाएगा	निरंतर व नियमित रूप से कार्य करने की भावना पुष्ट होगीं जिज्ञासा जाग्रत होगी
नवंबर	संख्याओं के साथ खेलना	गुणनखंड एवं गुणज का ज्ञान करना महत्तम व लघुत्तम समापवर्तक ज्ञात करना	आगमन विधि खेल विधि	विद्यार्थी गुणनखंड और गुणज में अंतर कर सकेगा विद्यार्थी इबारती प्रश्न हल करने के सक्षम होगें	खेल द्वारा गुणनखंड वृक्ष का निर्माण करवाएगें	१० प्रश्न कार्यपत्रक पर हल १० वस्तुनिष्ठप्रश्न	प्रोत्साहन देकर और अच्छे कार्य करने की और बढ़ाए कमजोर विद्यार्थी को कार्य पूर्ण कराने में सहायता अच्छे विद्यार्थी करगें	आत्म विश्वास पैदा होगा बौद्धिक विकास होगा
नवंबर	आधार भूत ज्यामितीय अवधारणाएँ	रेखा, रेखाखंड और किरण में अंतर बताना बहुभुज का ज्ञान कराना वृत्त के भागों के बारे में जानकारी देना	विशलेषण विधि चार्ट विधि खेल विधि	त्रिभुज के प्रकारों का ज्ञान कर सकेगें चतुर्भुर्ज के प्रकारों का ज्ञान के साथ ही आसन्न कोण, विपरीत कोण व भुजाओं की जानकारी हासिल करेगें वृत्त के विभिन्न भागों का ज्ञान प्राप्त करेगें	ऐतिहासिक स्मारक मीनार, पुलों द्वारा त्रिभुज का ज्ञान रंगोली (वृत्त, त्रिभुज) ज्यामितीयआकृतियों से पेकिंग पेपर का निर्माण करना	आकृति आधारित कार्य पत्रक आकृति पहचान=१/२ कोण माप =१/२ वृत्त भाग =१/२ त्रिभुज =१/२	उत्कृष्ट चित्र चार्ट को सूचना पट्ट पर प्रदर्शितकरेगें कुछ गलत करने वाले छात्रों को पुनः हल करने को कहेगें	बहुमान की भावना आत्म विश्वास बढ़ेगा बौद्धिक तार्किक विकास होगा
दिसम्बर	भिन्न	भिन्न व उसके प्रकार का ज्ञान कराना इबारती प्रश्न हल कराना भिन्न परिवर्तन का ज्ञान कराना	आगमन विधि प्रदर्शन विधि खेल विधि	विद्यार्थी भिन्नों को जोड़ने व घटाने के योग्य होगें इबारती प्रश्न हल करने में समर्थ होगें मिश्रित भिन्न को विषम भिन्न में परिवर्तन कर सकेगे	ICT के माध्यम से रंगोली द्वारा	5 चित्र आधारित कार्यपत्रक - चित्र पहचान =१/२ 5इबारती प्रश्न हल=१ कथन =१/२	कार्यपत्रक एकत्रित करने के बाद सही उत्तर श्यामपट्ट पर लिख दिए जायेगें विद्यार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वे समय सीमा में कार्य करें	मिल जुलकर कार्य करने की भावना का विकास सहयोग गुण विकसित होगा कलात्मक प्रवृति का विकास
जनवरी	दशमलव	दशमलव संख्याओं का ज्ञान एवं उनमें संक्रियाएं + - करवाना संख्या रेखा पर दशमलवसंख्याओं का प्रदर्शन करना इबारती समस्या हल करने में मदद करना	आगमन विधि प्रयोगशालाविधि	दशमलवसंख्याओं को बोलने के साथ लिखकर जोड़ना व घटाना कर सकेगा रु. को पैसे में बदलने के योग्य होगा इबारती समस्याओं को हल कर पाएगें	ICT केद्वारा चार्ट द्वारा	१० प्रश्न कार्यपत्रक पर हल रिक्त स्थान =5 प्रत्येक सही =१ चित्र द्वारा सही =१/२ चार्ट द्वारा=१/२ रिक्त स्थान =१/२	सबसे पहले व सही कार्य करने वालों को प्रोत्साहन देगें कमजोर विद्यार्थियों को पुनः हल करने का समय दिया जायेगा	छोटी छोटी वस्तुओं का मूल्य समझ पाएगा समय की कीमत कर पाएगा समानता का गुण विकसित होगा। गुणग्राही दृष्टि कोण

जनवरी-फरवरी	क्षेत्रमिति	आयत व वर्ग का क्षेत्रफल और परिमाप परिभाषित करना है आयत व वर्ग में अंतर ज्ञात कराना	आगमन विधि श्रमण विधि	छात्राओं में निम्नलिखित योग्यताएँ विकसित होगी विभिन्न वस्तुओं को देखकर उनका क्षेत्रफल व परिमाप ज्ञात कर सकेगें ज्यामिती आकारों के निर्माण में सहायक होंगी	ICT के माध्यम से हडप्पा सभ्यता के स्नानागार का ज्ञान होगा मैदान में ले जाकर आकृतियोंका क्षेत्रफल व परिमाप ज्ञात करवाया तिरंगा द्वारा परिमाप	मापदंड भाग की माप =१/२ सूत्र=१/२ हल =१	सही प्रश्न हल करने वाले छात्रों को प्रोत्साहन देगें कार्य में कमी होने पर अन्य विद्यार्थी के सहयोग से उसे दूर करने की प्रेरणा देगें	बौद्धिक तार्किक विकास होगा कठिन परिश्रम करेगें

Dr. Sushma Jain
Principal
Principal
Pratibhasthali Gyanodaya Vidyapeeth
Tilwaraghat, Jabalpur-482001

प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ

कक्षा -छठवी **विषय -विज्ञान** **पुस्तक N.C.E.R.T.**

माह		शिक्षण उद्देश्य	शिक्षण विधि	तकनीकी का उपयोग खेल पाठ सहगामी क्रिया कला समन्वय	शैक्षणिक उपलब्धि	मूल्यांकन एवं मूल्यांकन तकनीकी एवं उसके मापदंड	पृष्ठपोषण	नैतिक मूल्य
मार्च और अप्रैल	भोजन यह कहाँ से आता है।	विद्यार्थियों में भोजन के विभिन्न स्त्रोत जैसे- जन्तु एवं पादपो की जानकारी देना। सर्वाहारी, मांसाहारी एवं शाकाहारी जीवों की जानकारी बताना । पौधो के विभिन्न खाने योग्य भागों की उदाहरण सहित वर्गीकरण करना।	विद्यार्थी से उनके पूर्व-ज्ञान के आधार पर प्रश्न पूछना। प्रदर्शन एवं भ्रमण विधि- बगीचे एवं गौशाला भी जाकर जानकारी देना।	विभिन्न चार्ट(जन्तु एवं पादप) दृश्य श्रव्य सामग्री के माध्यम बताना। अभिनय माध्यम से पादपो के प्राप्त विभिन्न भागो से प्राप्त भोज्य सामग्री को चयन करवाकर ज्ञान पुष्ट करना । भोजन मे क्या- क्या खाया उस-आधार पर जानकारी लेगें।	विद्यार्थियों को पौधों एवं जंतुओं से प्राप्त भोज्य सामग्री की जानकारी मिलेगी। सर्वाहारी, मांसाहारी, शाकाहारी जीवो मे भेद आसानी से कर पायेंगे। पौधो के विभिन्न भागों की जानकारी (पत्तियाँ, फूल, फल) मिलेगी।	शाकाहारी,सर्वाहारी,मांसाहारी आदि जन्तुओं के प्लास्टिक के प्रतिरूप के माध्यम से आहार श्रृंखला तैयार करायेंगे।	विद्यार्थियो रुचि एवं उत्सुकता पूर्वक इस अध्याय का ज्ञान प्राप्त करेंगे|	
	भोजन के घटक	-भोजन के मुख्य पोषक तत्व जेसे कार्बोहाइड्रेट,प्रोटीन ओर बसा आदि की पहचान कराना । -भोजन के विभिन्न घटकों का परीक्षण करवाना । -भोजन घटको की कमी से होने बाले रोगो की जानकारी देना ।	- प्रदर्शन विधि -व्याखान विधि -परीक्षण विधि (प्रयोग शाला विधि) -प्रश्नोत्तर विधि	-प्रयोग शाला मे परीक्षण करवाना पोषक तत्वो की जानकारी देना । -विभिन्न खाद्य सामग्री को प्रदर्शित करके भोजन के घटको के स्त्रोतों को बताना । -चार्ट आदि के माध्यम से अभावजन्य रोगो के लक्षण समझना ।	-विद्यार्थियो को भोजन के घटको कार्वोहाइट्रेड,प्रोटीन ,वसा आदि की जानकारी मिलेगी| -वे भोजन के घटको मे भेद कर पायेंगे । -विभिन्न आयु वर्गो के व्यक्तियों के लिए संतुलन आहार का महत्व समझ पायेंगे|	-दुकान (खाद्य सामग्री) लगवाकर विद्यार्थी को भोजन के घटक को वर्गीकृत करवाना । -आयोडीन टेस्ट के द्वारा -कार्बोहाइट्रेड का परीक्षण करवाना । - प्रोटीन का परिक्षण करवायेंगे| -लिखित परिक्षा द्वारा मूल्यांकन ।	-विद्यार्थियो के द्वारा इस पाठ मे रुचि ली जायेगी । -विद्यार्थिभोजन का महत्व समझेंगे|	-फास्ट फूड के ग्रहण से होने वाली विकृतियों को समझेंगे| -भोजन को वर्वाद होने से बचायेंगे ।
जून	तन्तु के वस्त्र तक	-प्राकृतिक एवं संश्लेषित तंतुओ मे भेद कराना । -वस्त्र निर्माण की प्राचीन तकनीक जैसे- तकली,हथकरघा,की जानकारी देना ।	-प्रदर्शन विधि -भ्रमण विधि (हथकरघा,उदयोग्य कारख़ाना ले जाना) -अन्वेषण विधि	- द्रश्य श्रव्य तकनीक का प्रयोग । -तकली एवं पेटी चरखा का उपयोग कराकर कपास से धागा बनवाना । -ज्वलन परिक्षण के द्वारा सूती एवं नाइलोन वस्त्र मे भेद करवाया|	-विद्यार्थी विभिन्न तंतुओ जेसे कपास,जूट,ऊ,रेशम ,नाइलोन ,रेयान,आदि की पहचान कर पाएगें । -प्राचीनकाल मे प्रयुक्त होने वाले वस्त्र निर्माण के यंत्र,तकली,चरखा आदि को अभ्यास मे लायेगे । -राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अहिंसक जीवन से परिचित हो पायेगे ।	- मूल्यांकन परीक्षण द्वारा प्राक्रतिक एवं संश्लेषित तंतुओ की पहचान करवाना|	-विद्यार्थी तकली ओर पेटी चरखा से धागा बनाकर उत्साहित होगे ।	-भारत के प्राचीन वस्त्र उद्योग को समझ पायेगे । -राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वावलंबन एवं जीवन जीने की कला सीख पायेगे|
जुलाई	वस्तुओं के समूह बनाना	-विद्यार्थियो को अपने चारो ओर के विभिन्न प्रकार की वस्तुओंसे परिचित करना । पदार्थो के जैसे- पारदर्शिता चालकता ,विलेयता आदि की पहचान कराना ।पदार्थों के गुणो के आधार पर समूह बनाना ।	-प्रत्यक्ष विधि -प्रदर्शन विधि एवं प्रयोगशाला विधि	-प्रयोगशाला मे पारदर्शिता घुलनशीलता ,आदि बतलाना । -काँच,पुस्तक कागज का प्रदर्शन करना ।	-विद्यार्थी पदार्थ के विभिन्न अवस्थाओ को समझ सकेंगे| -चालक, कुचालक, धातु,अधातु ,विलेय, अविलेय मे भेद कर सकेंगे ।	-विभिन्न वस्तुओ को गुणो के आधार पर समूह बनवाना धातु,अधातु,ठोस ,द्रव ,गेस ,चमक ,कठोरता मे वर्गीकृत करना ।	-सभी विद्यार्थी रुचि पूर्वक इन प्रयोगो के माध्यम से वस्तुओ के गुणों को जानेगे ।	-प्रत्येक वस्तु एवं व्यक्तिओ में कोई न कोई विशेष गुण होता है जिससे उसकी पहचान होती है ।

जुलाई	हमारे चारों ओर के परिवर्तन	-विद्यार्थीओ को परिवर्तन के प्रकार की जानकारी देना | -उत्क्रमणीय व अनुत्क्रमणीय परिवर्तनों मे भेद करना | -रासायनिक ओर भौतिक परिवर्तनों को अपने परिवेश मे जानना |	-विश्लेषण विधि -प्रयोग विधि -प्रश्नोत्तर विधि	- छात्रो से विचार विमर्श करेगे | -विद्यार्थियो से स्वयं भौतिकएवं रासायनिक परिवर्तनों के विभिन्न उदाहरण प्रस्तुत करवाना	--विद्यार्थी भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तनों जेसे मोम का पिघलना या मोम का जलना आदि को जानेंगे |	--विद्यार्थियो के जीवन मे काम आनी वाली वस्तुओ मे होने वाले परिवर्तन के वारे मे पूछना | जैसे जंग लगना बर्फ का पिघलना |	सभी विद्यार्थी जिज्ञासा पूर्वक उन परिवर्तन को जानेगे |	-प्रक्रति परिवर्तन शील है | -जीवन मे परिस्थितियँयाँ बदलती रहती है |
अगस्त सितंबर	- गति एवं दूरियों का मापन Body movement शरीर मे गति	-काल्पनिक एवं मानक मापन इकाइयो द्वारा दूरी की मापन की आवश्यकता का ज्ञान कराना | -विभिन्न वस्तुओ के माप के लिए विभिन्न उपकरणों के उपयोग की जानकारी देना | -गति एवं उसके विभिन्न प्रकारो मे अंतर बताना | -घरेलू सामग्रीओ का उपयोग करके विभिन्न प्रकार की संधिया (joints)जैसे कंदुक खल्लिका संधि (ballandsocketjoint)कब्जा संधि hingejoint आदि का लाभ बताना | -हमारे शरीर मे स्नायु ओर उपास्थियों का महत्व बताना | -शरीर मे मांसपेशियो (muscles)की गति का महत्व समझाना |-मानव शरीर मे कंकाल तंत्र के प्रतिरूप (model)का उपयोग करके मेरुदंड (backbone)मे कशेरुकायें केसे जुड़ी हुई है एवं उनके कार्य से अवगत कराना | -केचुआ घोघा,कॉकरोच,मछली,साप आदि की गति मभेद करना |	-प्रदर्शन एवं प्रयोगशाला विधि -आगमन विधि -निगमन विधि भ्रमण विधि -प्रतिरूप प्रदर्शन विधि के माध्यम से मानव कंकाल को समझाना | -सामुहिक चर्चा के माध्यम से संधि (joints),आस्थियाँ(bone) आदि के कार्य एवं महत्व समझाना| -व्याख्यान विधि के माध्यम से कंकाल तंत्र के विभिन्न भागो के कार्य एवं संरचना बताना | -संश्लेषण विधि |	-विद्यार्थी स्वयं(प्राचीन उपकरण)कदम ,हाथ की लंबाई ,हथेली के फैलाव के द्वारा विभिन्न वस्तुओ का माप करेगे | -आधुनिक उपकरण गज,मीटर ,स्केल ,इंचीटेप ,नरम लचीला इस्पातीय आदि से विभिन्न वस्तुओ को मापेगे | -दृश्य श्रृव्य सामाग्री के द्वारा अंतिरिक्ष मे तारों की गति का अवलोकन कर पायेंगे | -x-ray का प्रयोग करके डॉक्टर के द्वारा अस्थियो मे टूटन एवं स्नायुओ मे क्षति होती है यह ज्ञात कराएगें | -दृश्य श्रृव्य समग्रियों द्वारा शरीर मे गति (माँसपेशियो संधियो की गतियो का ज्ञान कराएगें| -कक्षा मे चार्ट (स्नायु,कंकाल,एवं संधियो के प्रकार)से समझाएगें|	-विद्यार्थी आधुनिक एवं प्राचीन मापक उपकरणो को जानेगे | -मौद्रिक पद्धती G.G.S.,F.P.S. M.K.S.,S.I. आदि पद्धतियों के बारे मे जानेंगे| -विभिन्न वस्तुओ की गतियो को पहचान पायेगे | -मीटर से c.m.,k.m.,m.m.मे बदलना सीखेगे | -विद्यार्थियों को कंकाल तंत्र के विभिन्न भाग जैसे खोपड़ी (skill),(ribcage)पसली पिंजर, मेरुदंड (backbone),संधियां(joints) का ज्ञान होगा | -हाथों मे पैरो मे पायी जाने वाली अस्थियाँ जेसे ह्यूमेरस,रेडियस ,अलना,फीमर आदि अस्थियों का ज्ञान होगा | -मानव एंव विभिन्न जीव जंतुओं मे किस प्रकार माँसपेशियाँ अस्थियो गति करने मे मदद करती है |(संकुचन एवं विस्तारण)को समझेंगें |	-पार्क मे जाकर विभिन्न झूलो की गतियो को पहचानेगे | -ब्रत्य करते समय घड़ी की सुई,मशीन की सुई,मंदिर की घंटे की गति बतायेगे | -वैंड मिंटन खेल खिलाते समय पकड़ने मे एवं खेलते समय हाथ की कौन-सी संधि मदद करती है | -क्रिकेट मे वोलिंग (गेंद फेकते समय)हाथ की कोन सी संधि मदद करती है ? (ballandsocket) कंदुक खल्लिका संधि -कौन बनेगा अच्छा KBAS खेल के द्वारा विद्दार्थियों के विषय "शरीर मे गति "का मूल्यांकन करेगें |	-सभी विद्यार्थी उत्साह एवं रुचि पूर्वक उस पाठ का अध्ययन करेगे | -विद्दार्थी रुचि पूर्वक इस पाठ का अध्ययन करेगे | -खेल खेल ने सभी विद्दार्थी इस अध्याय को जानेगें |	-देनिक उपयोगी क्रियाओ वस्त्र ,सब्जी ,आदि खरीद पायेगे एवं विभिन्न स्थानो की दूरियो को माप पायेगे | -जीवन मे उपयोग होने वाली वस्तुओ की गति जान पायेगे | -मापन के क्षेत्र मे विद्यार्थियो को कोई धोखा नही दे पायेगा | -कहानी के माध्यम से एकता मे शक्ति होती है सभी कार्य संचालित अच्छे से होते है | बताएगे यदि मेरु दंड संधिया आदि अपना कार्य बंद कर दे तो शरीर की गति रुक जाएगी और शरीर रोग ग्रस्त भर स्वरूप हो जाएगा |ऐसे ही समूह मे कोई भी आपना काम बंद कर दे तो समूह की गति रुक सकती है |

अक्टूबर	पदार्थो को पृथक करना पौधों को जानिए ।	-विद्यार्थी अलग-अलग पदार्थो को अलग-अलग पहचानने मे सक्षम होगा । -विद्यार्थी मिश्रण के गुणो के अनुसार अलगाव के तरीको की व्याख्या करने के योग्य बनेगा । -विद्यार्थी अपनी गतिविधियो का अवलोकन कर सकेगे । -विद्यार्थी पौधों के विभिन्न भागो की पहचान करने एवं उनके कार्यो को जानने मे सक्षम होगे । -पुष्प एवं पत्तियों की संरचना की जानकारी प्राप्त करवाना । -पोधों मे वाष्पोत्सर्जन विधि के द्वारा जल की हानि को समझेंगे ।	-भ्रमण विधि एवं प्रयोगशाला विधि -अवलोकन विधि -समस्या समाधन विधि -भ्रमण विधि	-फिल्टर पत्र,प्रथक्करण ,कीप ,आदि का प्रयोग कर द्रव से ठोस का प्रथक्करण करना एवं तेल को द्रव से प्रथक्करण करना । -खेत मे लेजाकर निष्पादन winnoingthreasingseiving (चालन)आदि से विद्यार्थियो को अवगत कराएगे। Wordgrid -शब्द पहेली के माध्यम से पौधों के अंगो को जानेंगें। -गुड़हल के फूल के प्रत्येक भाग को पृथक कर आंतरिक संरंचना बतायेगे । -बच्चो की गति (नदी न पिये अपना जल, वृक्ष न खाये अपने फल)के माध्यम से प्राकृतिक वस्तुओं के उपकार को बताएगें।	-विद्यार्थी हाथ से बीनना,चलना ,निथारना,अवसादन आदि विधिओ के द्वारा पदार्थो को प्रथक्करण करने मे सक्षम हो पायेगे । -छात्राओ को दिये गये मिश्रण को नमूनो को विश्लेषण करने मे समर्थ होगा । -विद्यार्थी पौधों के विभिन्न भागों प्रकार(शाक,झाड़ी,वृक्ष)आदि मे भेद कर पायेगें एवं पौधों के विभिन्न भागों के कार्यो को समझेगें। -पौधों के नर(male),मादा (female) भागों (part) समझेगें।	-विद्यार्थीओ के समक्ष मिश्रण के नमूने रखकर पदार्थो के प्रथक्करण करने की विधियो की जानकारी लेगे । -बगीचे से लेजाकर विद्यार्थी से विभिन्न प्रकार के फूल एवं पत्तियों की संरचना की जानकारी लेगें।	-विद्यार्थी रुचि पूर्वक पूर्ण मनोयोग से पदार्थो के पृथक्करण करेंगे। -विद्यार्थी वृक्षारोपण के लिए प्रोत्साहित होगें।	-विद्यार्थी वस्तुओ की उपयोगिता एवं अनुपयोगिता को जानेगें एवं उसके गुणगृहिता दृष्टि विकसित होगी । -इस अध्याय के माध्यम से विद्यार्थी जानेगें कि वृक्षों का हर एक भाग हमारे लिए उपयोगी है,वह परोपकार करता है ।
नवंबर	सजीव एवं उनका परिवेश जल	-विद्यार्थियो को पादप एवं जन्तुओ के विभिन्न आवासो का ज्ञान कराना - पादप एवं जन्तुओ मे परिवर्तन एवं अनुकूलन (जलीय वायवीय एवं मरूद्भिद को समझने मे सक्षम बनाना । -पादप एवं जन्तुओ के आवास मे जैविक एवं अजैविक घटक तथा उनके प्रभाव को समझना । -विद्यार्थियों को इस जीवन मे जल कि उपयोगिता को समझाना । -जल के प्रवंधन एवं संचयन को बताना। -जल चक्र प्रवाह को समझाना एवं वर्षा जल संग्रहण के महत्व को समझाना ।	-पूर्वज्ञान पर आधारित प्रश्नोत्तर विधि -अन्वेषण विधि -भ्रमण विधि -प्रयोग विधि -प्रयोग विधि -अवलोकन विधि -प्रत्यक्ष विधि -भ्रमण विधि	-दृश्य-श्रृव्य सामाग्री,रेगिस्तान जहाज (चिड़िया घर का भ्रमण) विभिन्न आवासो के चित्र से एलबम तैयार करवाएगे । -विभिन्न प्रयोगो के माध्यम से पादपो एवं मनुष्य मे वृद्धि श्वसन,उत्सर्जन,उद्दीपक आदि क्रियायों को समझाएगे । -द्रश्य श्रव्य सामग्री -जल के बचत के पोस्टर्स प्रदर्शित करेगे । -घरेलू तकनीक विधि जेसे (फिटकरी का उपयोग,पनि को उबालना)घरेलू जल संयंत्र का प्रयोग करेगे । वर्षाजल संग्रहण प्रतिरूप (ट्रैक) watertank बनबाएगे ।	-विभिन्न क्षेत्रों मे पाये जाने वाले पादप एवं जन्तुओ के विभिन्न आवासो के बारे मे जानेगें। -विद्यार्थी इस आध्याय मे सजीव एवं निर्जीव मे अंतर कर पाएगें। -जन धन पर होने वाले विद्यार्थी अल्प वर्षा (सूखा)ओर अत्यधिक वर्षा (बाढ़) के प्रभाव को समझेगे । -कैसे पीने योग्य जल हमारे घर तक पहुँचता है? (नदी से घर तक) क्लोरीनीकरण विधि द्वारा जल शुद्धिकरण समझेगें।	-छात्रों के ज्ञान का अवलोकन प्रश्न मंच के द्वारा किया जाएगा । -जल कैसे बचाया जाता है इसके आधार पर तीन क्रियाकलापों कि सूची बनवाएँगें। -पत्रिका मे या पुराने समाचार पत्त्रों से आई बाढ़ एवं सूखा संबंधी चित्र एकत्रित करवाएगें।	-विद्यार्थी अत्यधिक उत्सुकता के साथ इस अध्याय का अध्ययन करेगे । -विद्यार्थी संवेदन शीलता के साथ उस अध्याय का सजग होकर अध्ययन करेगें।	-अपने चारो ओर पाये जाने वाले जीवो एवं पोधों की विविधता को देखकर विद्यार्थी जनेगें कि यह जीवन कितना सुंदर है । -''जल ही जीवन है ।'' ''जल ही कल है ।'' ''जल कि बचत जीवन कि बचत है ।'' ''भूमिगत जलस्तर को बढ़ाने मे वर्षा जल का संग्रहण जरूरी है ।''
दिसंबर	प्रकाश छाया एवं परावर्तन	-विद्यार्थीयों को प्रकाशीय, पारभासी तथा अप्रकाशीय वस्तुओं मे भेद कराना । -पर्दा,प्रकाश का स्त्रोत,छाया कि आवश्यकताओ का ज्ञान कराना। -समतल दर्पण द्वारा परावर्तन के नियमो कि जानकारी देना ।	-प्रयोगशाला विधि -प्रदर्शन विधि आगमन विधि प्रायोगिक विधि -निगमन विधि एवं आगमन विधि -आगमन एवं निगमन	-पिन होल (सुई छिद्र)कैमरे द्वारा वस्तु कि प्रतिविम्ब की स्थिति का अवलोकन करना । -पेरीस्कोप,कैलायडीस्कोप (बहुरूपदर्शक) से वस्तुओंकीप्रतिविम्बकी स्थिति का ज्ञान कराना ।	-विद्यार्थी प्रकाशीय (सूर्य)अप्रकाशीय (गृह,उपग्रह)पारभासी वस्तुओं मे भेद कर पायेगें। -समतल दर्पण के द्वारा आपतित किरण,अभिलंब ओर परावर्तित किरण की स्थिति को समझेगें। -विद्यार्थी वायु के सभी गुणो को जन	-लिखित इकाई परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन करेगें। -प्रात:काल दोपहर सायं के समय सूर्य कि स्थिति के अनुसार छाया का अवलोकन करवाएगें। -विभिन्न क्रियाकलाप द्वारा	-विद्यार्थी रुचि पूर्वक पिनहोल कैमेरे,समतल दर्पण आदि वस्तुओं द्वारा बनेप्रतिविम्ब का अवलोकन करेगें। -विद्यार्थी वायु के अदभुत गुणों	-गुणवान व्यक्ति प्रदीप्त वस्तुओ जैसे (सूर्य) की तरह स्वयं को प्रकाशित करने के साथ-साथ दूसरे को प्रकाशित करते है । -वायु की गुणवत्ता पौधों एवं

	हमारे चारो ओर वायु	-विद्यार्थिओं को अनुभव कराना कि वायु सभी जगह उपस्थित है एवं इसका अनुभव किया जा सकता है,किन्तु देखा नही जा सकता है | -वायु के विभिन्न गुणों जैसे स्थान घेरना,भार ,दबाब डालना आदि से अवगत कराना | -वायु मे मिश्रित अन्य घटक जैसे नाइट्रोजन,ऑक्सीज़न,जलवाष्प,धूल के कणों कि पहचान कराना |	विधि -प्रयोगशाला विधि -प्रदर्शन विधि -व्याखान विधि	-प्रयोग द्वारा बतायगें कि किसी वस्तु के जलने मे ऑक्सीज़न सहायक होती हैएवं कार्बनडाई ऑक्साइड आग बुझाने मे काम आती है | -Roleplay-जीवन में वायु का महत्व | -पवन चक्की, पैराशूट, हवाईजहाज का प्रतिरुप प्रदर्शित कराना |	पायेगे | -वायु मे मिश्रित अन्य घटकोंजैसे N_2-78% O_2-21%,CO_2-0.3 अन्य गैसें की प्रतिशतता एवं वायु प्रदूषण को भी जान पाएगें एवं इसके माध्यम से होने वाले रोगो को जानकर नियंत्रण के उपाय जानेगें|	ऑक्सीजन जल मे सहायक होती है वायु दबाब डालती है विद्यार्थि इस पाठ से संबन्धित ज्ञान का मूल्यांकन करेगें|	को रुचि एवं उत्साह पूर्वक जानेगें|	वृक्षों को लगाने से बढती है अत: वृक्षारोपण करना चाहिए प्रदूषण मुक्त पर्यावरण को बनाना चाहिए |
दिसंबर	विधुत तथा परिचय	-विद्यार्थिओ को विधुत के विभिन्न स्त्रोतों,विधुत वल्ब,सेल,सौर बैटरी आदि का ज्ञान कराना | -विधुत धारा के प्रवाह की गति (+से-)परिपथ के माध्यम से समझाना | - विधुत के चालक एवं सुचालक की पहचान कराना |	-प्रदर्शन विधि -प्रयोग विधि -आगमन विधि	-वोल्टीय सेल,शुष्क सेल,सौर सेल की संरचना (सेल को खोलकर आंतरिक संरचना की जानकारी देंगे | -प्रयोगशाला मे लेजाकर विधुतपरिपथ तैयार करवायेगे | दृश्य श्रृव्य सामाग्री से बदलों की गड़गड़ाहट व उत्पन्न बिजली,जलीय ,तापीय विधुत,(कोयले)की जानकारी प्राप्त करवाएगें|	-विद्युत चालक के साथ साथ विद्युत रोधक की महत्वता कोण जानेने | -विद्युत रोधी ,विद्युत वाहक पदार्थो को जानेगे एवं भेद करेगे | -विद्युत परिपथ तैयार करते समय प्रयोग करते समय रखने वाली सवधानिया को जानेगे |	-दिये गये उपकरणो (विद्युत वल्व,तार,सेल) के माध्यम से परिपथ बनवाएगें| - विधुत परिपथ मे प्रयुक्त घटकों के चिन्हों पर आधारित प्रश्न पुछेगें| दी गई विभिन्न तालिका मे विभिन्न (धातु अधातु)पदार्थो को विभाजन करवाऐगें| -दिये गयेपदार्थो का परीक्षण करके प्राप्त सूचनाओं के द्वारा तालिका मे विधुत रोधी ओर विधुत वाहक पदार्थो का ज्ञान करेगें|	-विद्यार्थी वैज्ञानिक दृष्टि कोण के साथ इस अध्याय का अध्यन करेगें|	-हमारा शरीर विधुत का सुचालक है | अत: विधुत उपकरणों का उपयोग करते समय सावधानियाँ बरतना चाहिए | -प्राकृतिक संसाधनोंकीबचत के लिए विधुत की बचत आवश्यक है |
जनवरी	कचरा संग्रहण एवं निपटान	-अपशिष्ट (कचड़ा)क्या है? हम उसको कितना कम कर सकते है ? इसका ज्ञान कराना | -कूड़े के प्रकार (biodegradable)जैव निम्नीकृत अपशिष्ट एवं जैव आनिम्नीकृत अपशिष्ट पदार्थो मेभेद कराना | -अवशिष्ट को कम करने को (4R's) प्रबन्धन की विधियों की जानकारी देना |	-प्रत्यक्ष विधि -प्रदर्शन विधि -प्रयोगिक विधि -भ्रमण विधि	-विद्यालय मे वर्मी कंपोस्टिग(कृमि से प्राप्त खाद)को बनायेगें| -कागज का पुनर्चक्रण करवाएगें| -दृश्य श्रृव्य सामग्री द्वारा कचरे का पर्यावरण पर प्रभाव की जानकारी देंगे |	-इस अध्याय के माध्यम से विद्यार्थी प्रधानमंत्री जी द्वारा संचालित "स्वच्छ भारत अभियान का हिस्सा बन पायेगें| जैव निम्नीकृत भाग से जैविक खाद को बना पायेगें| -अवशिष्ट प्रबन्धन की विधियाँ (4R's) Reduse,RecycleRemove,Reuse की जान पायेगें|	दिये गये पदार्थो का परिक्षण करके प्राप्त सूचनाओं के द्वारा तालिका मे विधुत रोधी और विधुत वाहक पदार्थो का ज्ञान करेगें| -प्लास्टिक वरदान या अभिशाप वाद विवाद /परिचर्चा | -Roleplay,नुक्कड़ अभियान के माध्यम से जागरूकता लायेंगे |	-विद्यार्थी जागरूकता से इस अध्याय का अध्यन करेंगे|	सोचिये फिर फेंकिए क्योंकि जितना अधिक कचड़ा पैदा होगा इससे छुटकारा पाने मे अधिक कठिनाई होगी |

Dr. Sushma Jain
Principal
Principal
Pratibhasthali Gyanodaya Vidyapeeth
Tilwaraghat, Jabalpur-482001

प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ

कक्षा -6 विषय - सामाजिक विज्ञान (इतिहास) पुस्तक : एनसीईआरटी

माह	पाठ	शिक्षण उद्देश्य	शिक्षण विधि	तकनीकी का उपयोग खेल पाठ सहगामी क्रिया कला समन्वय	शैक्षणिक उपलब्धि	मूल्यांकन एवं मूल्यांकन तकनीकी एवं उसके मापदंड	पृष्ठपोषण	नैतिक मूल्य
मार्च	1. क्या ,कब, कहां और कैसे	- छात्राओं को आरंभिक मानव के विषय में बताना| - छात्राओं को अतीत के साधन जैसे पांडुलिपि अभिलेख एवं विशेष तिथियों के बारे में बताना| -छात्राओं को अपने देश के अन्य नामों से परिचित कराना|	-प्रश्नोत्तर विधि -स्पष्टीकरण -मानचित्रका उपयोग -चित्र एवं चार्ट -संग्रहालय का भ्रमण -विचार-विमर्श	दृश्य श्रव्य पीपीटी	-छात्राओं ने आरंभिक मानव के विषय में विशेष रूप से जानकारी प्राप्त की। -छात्राएं अतीत के विभिन्न साधनों से परिचित हुई। -छात्राएं भारत के प्राचीन नाम से परिचित हुई।	मौखिक प्रश्नोत्तर विधि के प्रयोग द्वारा| लिखित परीक्षा विधि द्वारा|	बच्चों ने उत्साह पूर्वक पाठ का अध्ययन किया| समय-समय पर सही कार्य करने वाली छात्राओं की सराहना की जाएगी। छात्राओं को सहयोग दिया जाएगा ।	छात्राएं अतीत से प्राप्त सामग्रीकी सुरक्षा के लिए कटिबद्ध होगी। छात्राओं में देशभक्ति की भावना जागृत हुई।
अप्रैल	2. आरंभिक मानव की खोज में	- छात्रों को आरंभिक मानव द्वारा दी गई खोजों के विषय में जानकारी देना। - छात्राओं को आरंभिक मानव के आवासीय स्थल, उद्योग स्थल, पुरास्थल आदि के बारे मे बताना। - छात्राओं को आग की खोज, पाषाण औजारों के निर्माण एवं समय की शैल चित्रकला से परिचित कराना।	- प्रश्न उत्तर विधि - मानचित्र - चित्र का प्रयोग - विचार-विमर्श	पीपीटी के माध्यम सेपुरास्थल को दिखाना।	छात्राओं ने आरंभिक मानव द्वारा की गई खोजों जैसे आग की खोज,पुरास्थल,आदि के बारे में ज्ञान प्राप्त किया।	छात्राओं ने मानचित्र पर पुरास्थलों को दर्शाया ।	छात्राओं का अच्छा प्रयास रहा। सही उत्तर देने वाली छात्राओं की सराहना की गई।	- छात्राएंखोजो को करने के लिए प्रयत्न रत होगी। - इतिहास के प्रति गौरव जागा|
जुलाई	3. संग्रह से उत्पादन तक	छात्राओं को आरंभिक मानव के अस्थिर जीवन से स्थिर जीवन की कहानी को सुनाना । छात्राओं मेंहरगढ़ एवं दाओजली हेडिंग पुरास्थलों के बारे में जानकारी देना।	- प्रश्नोत्तर विधि - स्पष्टीकरण विधि - चित्र चार्ट - मानचित्र - विचार-विमर्श	पीपीटी	छात्राओं ने आदिमानव के स्थायी जीवन के बारे में जाना। छात्राएं आदिमानव की कृषि एवं पशु-पालन करने की कला से परिचित हुई।	बहुविकल्पीय प्रश्न परीक्षा विधि द्वारा	छात्राओं की तर्कशक्ति, विचार अभिव्यक्ति की सराहना की गई। छात्राओं के विषय के प्रति रुचि जागृत करने को कहा गया|	- छात्राओं के सामूहिक कार्य के प्रति रुचि जागृत हुई। - स्थिर जीवन शैली के प्रति उत्साह
अग स्त	4.आरंभिक नगर	- छात्राओं को प्राचीन नगरों जैसे हड़प्पा नगर एवं मोहनजोदड़ो के बारे में ज्ञात कराना । - हड़प्पा सभ्यता के पतन के कारणों से छात्राओं को अवगत कराना। - हड़प्पा कालीन नगर जैसे धोलावीरा एवं लोथल के बारे में बताना ।	- पारंपरिक विधि -समस्या समाधान विधि -मानचित्र, चार्ट विधि - बाल केंद्रित विधियां	पीपीटी विधि	-छात्राओं ने आरंभिक नगरों एवं उनकी विशेषताओं के विषय में जानकारी प्राप्त की| - उन्होंने जाना कि इस महान सभ्यताओं के पतन के पीछे क्या कारण रहे हैं? धोलावीरा एवं लोथल नगरों की विशेषताओं से छात्राएं परिचित हुई।	प्रश्नोत्तर विधि द्वारा सामूहिक चर्चाविधि निरीक्षण विधि	-छात्राओं ने रुचि पूर्वक पाठ का अध्ययन किया। -छात्राओं के विचार अभिव्यक्ति की सराहना की गई। - संकोची छात्राओं को आगे बढ़ाया जाएगा।	छात्राओं मे ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण की रुचि जागृत हुई| प्राचीन संस्कृति के प्रति लगाव|
सित म्बर	5.क्या बताती है हमें किताबें और क़ब्रें	-छात्राओं को दुनिया की प्राचीनतम विविध ग्रंथों के बारे में बताना। -छात्राओं को महापाषाण काल की जानकारी देना|	-व्याख्यान एवं कहानी विधि -समस्या एवं समाधान विधि -विचार-विमर्श विधि	पुस्तकालय भ्रमण	-छात्रायें प्राचीन वेदों के बारे में जानेगीं | -छात्रायें महापाषाण काल के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगीं| छात्राएं इनाम गांव की जीवन शैली से	-बुद्धि परीक्षण विधि -सत्य असत्य वर्कशीट -अवलोकन विधि	-सही उत्तर देने वाली छात्राओं की सराहना की जाएगी। -असमक्ष छात्राओं को अच्छे से कार्य के लिए प्रेरित किया	-छात्राओं में साहित्य पठन की रुचि जागृत होगी| -मिलजुल कर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी| -साहित्य समाज का दर्पण

					परिचित हो सकेंगीं		जाएगा।	होता है समझेगी	
	6.राज्य ,राजा और एक प्राचीन गणराज्य	छात्राओं को आज से 3000 साल पहले शासनव्यवस्था से अवगत कराना| -बालिकाओं को अश्वमेध यज्ञ का ज्ञान कराना | -ब्राह्मणों द्वारा बनाई गई वर्ण व्यवस्था तथा जनपद एवं महाजनपद जैसे महत्वपूर्ण विषयों को समझाना।	वाद विवाद विधि मानचित्र प्रश्नोत्तर व्याख्यान अश्वमेघ ज्ञान पर अभिनय	पीपीटी	-छात्रायेँ अश्वमेध यज्ञ द्वारा साम्राज्य बढ़ाने की प्रक्रिया को जानेगी| - ब्राह्मणों द्वारा बनाई गई वर्ण व्यवस्था के बारे में जानेगी| -छात्रायेँ जनपद एवं महाजनपदों से परिचित हो सकेंगी		- द्रष्टांत सुनाओ	वाक्कला में निपुण छात्राओं की सराहना अकुशल छात्राओं का पुन: अवसर दिया जाएगा		-छात्राओं को निर्भयता के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली| -वाक्पटुता -सामाजिक व्यवस्था में सहभागिता	
अक्टूबर	7.नए प्रश्न नए विचार	- छात्राओं को जैन धर्म बौद्ध धर्म एवं उनकी विशेषताओं के बारे में बताया जाएगा। -छात्राओं को व्याकरण विद, पाणिनि, पैगंबर,जरयुस्त्र आदि के बारे में जानकारी देना।	- व्याख्यान एवं कहानी विधि - बाल केंद्रित विधियाँ - समस्या समाधान विधि - प्रश्नोत्तर विधि	पी.पी.टी संवादलेखन	- छात्राए जैन धर्म बौद्ध धर्म एवं उपनिषद की विशेषताओं से परिचित होगी | - छात्रायें पाणिनि,पैगंबर, जरयुस्त्र तथा ब्राह्मणों की आश्रम व्यवस्था के विषय में गहराई से जानपाएगी		-साक्षात्कार पर आधारित प्रश्न पूछकर	-सही उत्तर देने पर छात्राओं को प्रोत्साहित किया जाएगा		-धर्म में आस्था -महापुरुषों के जीवनदर्शन में रुचि	
नवंबर	8.अशोक एक अनोखा सम्राट जिसने युद्ध का त्याग किया	- छात्राओं को महान सम्राट अशोका एवं उनकी शासन व्यवस्था से परिचित कराना | -अशोक के युद्ध त्याग की गौरव गाथा सुनना	- व्याख्यान एवं कहानी विधि - प्रश्न-उत्तर एवं समस्या समाधान विधि	-एकल अभिनय	छात्रायें सम्राट अशोक की शासन व्यवस्था एवं नीतियों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगी | -अशोक के त्यागमय जीवन शैली से प्रेरणा लेंगी		- प्रवाह चित्र पर	उत्तर देने में असक्षम छात्राओं को पुन:अभ्यास की प्रेरणा दी जाएगी		-अपने कर्म से महान बनने की क्ला से परिचित देश का मस्तक ऊंचा करने की प्रेरणा | -त्याग व अहिंसा की भावना का विकास	
	9.खुशहाल गाँव और समृद्ध शहर	- छात्राओं को लोहे के प्रयोग एवं उनके बढ़ते लाभों के बारे में बताना। - छात्राओं को प्राचीन साहित्य, प्राचीन सिक्के एवं प्राचीन नगर जैसे- मथुरा एवं अरिकामेडू के बारे में बताना ।	- सर्वेक्षण विधि - निरीक्षण विधि - प्रश्नोत्तर विधि	- भ्रमण - प्रदर्शनी	- छात्रा लोहे के प्रयोग एवं उसके महत्व को समझेंगी। - छात्रायें प्राचीन साहित्य,प्राचीन सिक्के एवं प्राचीन नगरों के बारे में जानकारी हासिल करेंगी ।		-प्रश्नोत्तर विधि द्वारा मूल्यांकन	-असक्षम छात्राओं को प्रेरित किया जाएगा ।		-छात्राओं में अपनी सभ्यता एवं संस्कृति के प्रति रुचि जागृत होगी। -धातुओं की पहचान करना सीखेंगी ।	
मार्च	10.व्यापारी, राजा और तीर्थयात्री	- छात्राओं को विदेशी व्यापारीयों , व्यापार की वस्तुओं के विषय में बताना | - प्रसिद्ध रेशम मार्ग के बारे में बताना | - विश्वप्रसिद्ध नालंदा विश्व-विद्यालय से उनका परिचय कराना ।	- व्याख्यान एवं कहानी विधि - प्रश्नोत्तरविधि	- पी.पी.टी.	- भक्तिकी अवधारणा एवं विशेषताओं सेअवगत होंगी | -छात्रायेँ को विदेशी व्यापारियों व व्यापारिक वस्तुओं से परिचित होंगी		- रुचि परीक्षण - अवलोकन - साक्षात्कार	-छात्राओं को अच्छी अभिव्यक्ति के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। -अभिव्यक्त न केआर पाने वाली छात्राओ पर ध्यान दिया जाएगा ।		-व्यवहार कुशलता - तीर्थों में आस्था -व्यापार की कला ।	
दिसंबर	11.नए साम्राज्य और राज्य	- छात्रों को प्रशस्तियों का ज्ञान देना । - छात्रों को प्रशस्तियोंके माध्यम	- व्याख्यान - कहानीविधि - समस्या समाधान	- पी.पी.टी. - नाटक	- छात्रायें प्रशस्तियों के माध्यम से विभिन्न वंश के राजाओं के बारे में जानेगी		- अवलोकन विधि	- अच्छे प्रदर्शन के लिए छात्राओं को सराहना की जाएगी।		- छात्राओं में वीरता साहस एवं परिश्रम आदि गुणों का विकास होगा।	

		से गुप्त वंश, पल्लव, चाणक्य एवं वर्धन वंश के राजाओं का ज्ञान कराना। - महाकवि कालिदास एवं उनकी रचनाओं से छात्राओं का परिचय करवाना।	विधि		- छात्राओंको कवि कालिदास एवं उनकी प्रसिद्ध रचनाओं से परिचय प्राप्त होगा |		- साहित्य में रुचि के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा। एवं रुचि न रखने वाली छात्राओं को प्रोत्साहित किया जाएगा |	- काव्य में रुचि बढ़ेगी -कवियों के प्रति बहुमान की भावना का विकास |
जनवरी	12.इमारतें चित्र तथा किताबें	- छात्राओं को भारत की प्रसिद्ध ऐतिहासिक इमारतों के बारे में बताना | - छात्राओं को भारत की चित्रकला साहित्य कला एवं स्थापत्य कला से परिचय कराना ।	- चित्र चार्ट - व्याख्यान - कहानी	- पी.पी.टी.	- छात्राओं को भारत के प्राचीन मंदिरों एवं इमारतों का ज्ञानप्राप्त होगा। - छात्राओं को भारत की साहित्य कला एवं स्थापत्य कला का ज्ञान प्राप्त होगा।	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	छात्राओं को अन्य प्रसिद्ध इमारतों, मंदिरों एवं कलात्मक चीजों की जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।	- छात्राएं भारत की वास्तुकला कला से परिचित होगी | - चित्रकला में रुचि - मंदिरों में आस्था

Dr. Sushma Jain
Principal

Principal
Pratibhasthali Gyanodaya Vidyapeeth
Tilwaraghat, Jabalpur-482001

प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ

कक्षा -6 **विषय : सामाजिक विज्ञान (भूगोल)** **पुस्तक : सामाजिक विज्ञान (एन. सी. ई. आर. टी.)**

सितंबर	6. पृथ्वी के प्रमुख स्थल रूप	- छात्राओं को पृथ्वी के प्रमुख स्थल रूपों का ज्ञान कराना | - पर्वतों पठार व मैदानों के बारे में समझाना | - स्थल आदि कैसे बनते हैं? यह समझाना |	- क्षेत्र भ्रमण विधि - प्रवाह विधि - प्रदर्शन विधि	- पी. पी. टी. - प्रवाह चित्र - शैक्षिक भ्रमण	- पृथ्वी के प्रमुख स्थल रूपों का ज्ञान | - पर्वत, पठार व मैदानों का परिचय तथा इनके निर्माण की प्रक्रिया का ज्ञान |	- निरीक्षण (अवलोकन) - छात्राओं द्वारा किये गए रचनात्मक कार्य का मूल्यांकन |	छात्राओं को अपने आस -पास के स्थलमंडलो के भ्रमण एवं निरीक्षण के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा	छात्राओं में अपने बाह्य पर्यावरण से संपर्क स्थापित करने की समझ पैदा होगी |
अक्टूबर	7. हमारा देश भारत	- छात्राओं को विश्व में भारत की स्थिति समझाना | - भारत के पड़ोसी देशों का ज्ञान कराना | - भारत के भारत के राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों का परिचय कराना |	- प्रदर्शन विधि - ग्लोब, मानचित्र विधि - प्रयोग विधि	- मानचित्र को पढ़वाना | - पी. पी. टी.	- छात्राओं को विश्व के मानचित्र पर भारत की स्थिति ज्ञान प्राप्त होगा | - भारत के पड़ोसी देशों से परिचय होगा |	- मानचित्र को पढ़वाकर मूल्यांकन| - निरीक्षण - मानचित्र प्रयोग	कमजोर छात्राओं को अभ्यास कराया जाएगा |	- चिंतनशक्ति, तर्कशक्ति, बौद्धिक क्षमता का विकास - निरीक्षण- परीक्षण क्षमता विकसित होगी |
नवंबर	8. भारत–जलवायु, वनस्पति तथा वन्य प्राणी	- भारत की जलवायु के विषय में ज्ञान कराना | - भारत की ऋतुओं का ज्ञान कराना| - भारत की प्राकृतिक, वनस्पतियों तथा वन्यप्रणियों के विषय में जानकारी देना |	- क्षेत्र भ्रमण विधि - प्रवाह चित्र विधि - प्रदर्शन विधि	- पी. पी. टी. - शैक्षिक भ्रमण जैसे -चिड़ियाघर, नेशनलपार्क आदि |	- भारत की जलवायु के ज्ञान होगा| - भारत में होने वाली ऋतुओं का ज्ञान एवं अनुभव होगा | - भारत की प्राकृतिक, वनस्पतियों तथा वन्यप्रणियों से परिचय प्राप्त होगा |	वनस्पतियों तथा वन्य - प्रणियों के चित्र दिखाकर प्रश्न पूछना |	- सही उत्तर देने वाली छात्राओं का उत्साह-वर्धन किया जाए | -कमजोर छात्राओं को अभ्यास कराया जाएगा|	छात्राओं में साहस, आत्मविश्वास जैसे गुणों का विकास |

माह	पाठ का नाम	शिक्षण उद्देश्य	शिक्षण विधि	तकनीकी का उपयोग खेल पाठ सहगामी क्रिया कला समन्वय	शैक्षणिक उपलब्धि	मूल्यांकन एवं मूल्यांकन तकनीकी एवं उसके मापदंड	पृष्ठपोषण	नैतिक मूल्य
मार्च	1.सौरमंडल में पृथ्वी	- छात्राओं को सूर्य चंद्रमा ग्रह खगोलीय पिंडों का ज्ञान कराना | - अमावस्या पूर्णिमा की रात्रि में अंतर समझाना | - समस्त ब्रह्मांड का ज्ञान देना |	- खेल विधि - चार्ट विधि - प्रदर्शन विधि	- पी. पी. टी. - खेल	- छात्राओं को खगोलीय पिंडों का ज्ञान हुआ| - अमावस्या और पूर्णिमा की रात्रि में अंतर समझ में आया|	प्रश्नोत्तर तथा अवलोकन	- प्रभावी प्रस्तुतीकरण करने वाली छात्राओं को सराहा जाएगा | - कमजोर छात्राओं का पुनः मार्गदर्शन |	- पुच्छल तारा टूटने से जीवन की नश्वरता का ज्ञान | अथाह ज्ञान प्राप्ति की जिज्ञासा |
अप्रैल	2. ग्लोब: अक्षांशऔर देशांतर रेखाएँ	- छात्राओं को ग्लोब का ज्ञान कराना | - अक्ष, उत्तरी तथा दक्षिणी ध्रुव का परिचय कराना | - विषुवत वृत्त सहित सभी महत्वपूर्ण अक्षांशों का ज्ञान	- प्रदर्शन विधि (ग्लोब द्वारा) - चित्र विधि - श्यामपट्ट विधि - पाठ्यपुस्तक विधि	- ग्लोब - पी. पी. टी. - चित्र प्रदर्शन	- छात्राओं का ग्लोब से परिचय प्राप्त हुआ| - छात्राएँ ग्लोब पर अक्ष, उत्तरी एवं दक्षिणी ध्रुव की स्थिति को समझा | - विषुवत वृत्त, कर्क रेखा, मकर रेखा आदि महत्वपूर्ण अक्षांशों का माप सहित ज्ञान याम्योत्तरो की जानकारी प्राप्त हुआ |	- प्रयोग (ग्लोब का) - चित्र का प्रयोग - प्रश्नोत्तर	- प्रयोग करने वाली छात्राओं को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा |	- आत्मविश्वास | - प्रयोग प्रदर्शन की कला |

		कराना | - देशांतर याम्योत्तरो का ज्ञान कराना |						
जून	3.पृथ्वी की गतियाँ	- पृथ्वी की गतियों की जानकारी देना | - घूर्णन, दैनिक गति, परिक्रमण, वार्षिक गति को समझाना | - लीप वर्ष में क्या होता है? उसे समझाना | - दिन - रात का ज्ञान कराना |	- प्रदर्शन विधि - खेल विधि	- ग्लोब, मानचित्र - चार्ट विधि - खेल (गति पर)	- पृथ्वी की दैनिक गतियों तथा वार्षिक गति समझा | - लीप वर्ष का आकलन करना सीखा |	- ग्लोब पर प्रयोग विधि द्वारा मूल्यांकन | - पाठ संबंधी प्रश्नोत्तर पूछेंगे |	- प्रयोग करने वाली छात्राओं को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा | - कमजोर छात्राओं का पुनः मार्गदर्शन |	- गति का महत्त्व गतिशीलता
जुलाई	4. मानचित्र	- छात्राओं को विभिन्न मानचित्रों से परिचित कराना | - मानचित्र के प्रकार समझाना | - मानचित्रों के घटकों की जानकारी देना |	- मानचित्र विधि - प्रदर्शन विधि	- पी. पी. टी. - मानचित्र - परीक्षण	- छात्राओं ने मानचित्र से परिचय प्राप्त किया - मानचित्र के प्रकार जैसे भौतिक मानचित्र, राजनीतिक मानचित्र एवं थिमेटिक मानचित्र से अवगत हुई | - मानचित्र के घटकों, दूरी, दिशा तथा प्रतीक का ज्ञान हुआ |	- मानचित्र को पढ़वाकर मूल्यांकन | - प्रश्नोत्तर तथा निरीक्षण	- सही और स्पष्ट उत्तर देने वाली छात्राओं की सराहना की जाएगी | - शिथिल छात्राओं को प्रेरित किया जाएगा|	- मानचित्रीकरण की कला | - क्षेत्र भ्रमण में रुचि |
अगस्त	5. पृथ्वी के प्रमुख परिमंडल	- पृथ्वी के प्रमुख परिमंडल जैसे - भूमंडल, जल मंडल, वायु मंडल का ज्ञान कराना | - पृथ्वी के महाद्वीपों जैसे- एशिया, यूरोप आदि का परिचय कराना |	- क्षेत्र भ्रमण विधि - - चित्र विधि - प्रदर्शन विधि (ग्लोब, मानचित्र)	- पी. पी. टी. - शैक्षिक भ्रमण - मानचित्र एवं ग्लोब	- पृथ्वी के प्रमुख परिमंडलो का ज्ञान प्राप्त हुआ | - ग्लोब एवं मानचित्र पर महाद्वीप एवं महासागर की स्थिति आदि का ज्ञान हुआ |	- अवलोकन - छात्राओं द्वारा रचनात्मक कार्य चित्र आदि द्वारा मूल्यांकन |	कमजोर छात्राओं को अभ्यास कराया जाएगा |	महासागरों की लहरों के आवागमन से जीवन की अस्थिरता का आभास |

Dr. Sushma Jain
Principal
Principal
Pratibhasthali Gyanodaya Vidyapeeth
Tilwaraghat, Jabalpur-482001

प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ

कक्षा : छठवी **विषय : राजनीति विज्ञान पुस्तक : सामाजिक विज्ञान (एन. सी. ई. आर. टी.)**

माह	पाठ का नाम	शिक्षण उद्देश्य	शिक्षण विधि	तकनीकी का उपयोग खेल पाठ सहगामी क्रिया कला समन्वय	शैक्षणिक उपलब्धि	मूल्यांकन एवं मूल्यांकन तकनीकी एवं उसके मापदंड	पृष्ठपोषण	नैतिक मूल्य
मार्च	1. विविधता की समझ	- विभिन्न प्रकार की विविधता को बताना | - भारत की विविधता को उदाहरण से बताना |	द्रष्टान्त विधि	वीडियो दिखाया|	- छात्रा विविधता को समझेंगी| - विभिन्न प्रकार को विविधता जान सकेंगी|	अभिनय के माध्यम से प्रस्तुति का मूल्यांकन|	जिन छात्राओं को विभिन्न प्रकार की विविधता समझ में आई उन्हें प्रोत्साहित करना |	भारत मे विविधता के होने पर भी भारत एक अखंड देश है ऐसी राष्ट्रीय भावना जागृत हुई |
अप्रैल	2. विविधता एवं भेदभाव	- भेदभाव को समझाना | - भारत में भेदभाव एवं विविधता के प्रकार की सूची बनाना | - पूर्वाग्रह एवं रूढ़िबद्ध धारणा को समझाना |	- संवाद विधि - व्याख्यान विधि	डॉक्टर अंबेडकर की जीवन की घटनाओं को वीडियो से दिखाया जाएँगा |	भेदभाव एवं रूढ़िबद्ध धारणा में अंतर को समझ सकेंगी |	छात्राओं द्वारा भेदभाव के कुछ अन्य उदाहरण प्रस्तुत किए जाएँगे |	दलित समुदाय के साथ होने वाले भेदभाव को दूर करने की जिम्मेदारी ली जाएँगी |	छात्राएँ अपने आस-पास में रहने वाले लोगों को समानता की दृष्टि से देखेंगी |
जुलाई	3.सरकार क्या है?	- सरकार की परिभाषा समझाना | - सरकार के प्रकार समझाना |	- व्याख्यान विधि	चार्ट का प्रयोग |	- सरकार के कार्यों की सूची बनाएँगी |	अखबार की सुर्खियों को छाँटकर सरकार के कार्यों का कोलार्ज बन बनाएँगे |	अच्छा कार्य करने पर प्रोत्साहित किया जाएँगा |	सरकार द्वारा बनाए गए कानून का महत्व समझा
अगस्त	4.लोकतांत्रिक सरकार के मुख्य तत्व	- लोकतांत्रिक सरकार में लोगों की भागीदारी समस्या, समानता के समाधान को समझाना | - कावेरी जलविवाद को समझाना |	प्रदर्शन विधि (दक्षिण अफ्रीका की रंगभेद नीति)	कावेरी जल विवाद की वीडियो क्लिपिंग दिखाई जाएगी |	लोकतांत्रिक व्यवस्था ना हो तो क्या होगा? इसे जानेंगे |	दो समूह बनाकर अखबार में आई चुनावों की खबरों पर चर्चा की जाएगी |	छात्राओं को सक्रिय रहने के बारे में कहा जाएगा |	समानता स्थापित हो इसके लिए जरूरी सुझाव |
सितम्बर	5. पंचायती राज	- ग्राम पंचायत के स्वरूप को समझाना | - सदस्यों का चुनाव किस प्रकार होता है समझाना |	व्याख्यान विधि	महाराष्ट्र के दो पंच जिन्हें 2005 में निर्मल ग्राम पुरस्कार दिया गया, उनका वीडियो दिखाया जाएगा|	ग्राम पंचायत के कार्यों का विश्लेषण कर पाएँगी|	अभिनय के माध्यम से प्रस्तुति का मूल्यांकन |	- छात्राएँ ग्राम पंचायत के कार्यों को सूचीबद्ध करेंगी| - ग्राम सभा एवं पंचायत में अंतर सीखेंगी |	ग्रामीण स्तर पर छात्राएँ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित हुई |
अक्टूबर	6.गाँव का प्रशासन	- गांव के प्रशासनिक अधिकारी की जानकारी देना | - पुलिस थाने का क्षेत्र संबंधी ज्ञान कराना |	व्याख्यान विधि	ग्राम का सर्वेक्षण करवाया|	छात्राएँ पटवारी,तहसीलदार आदि के कार्यों एवं जिम्मेदारी को समझेंगी |	मौखिक परीक्षा द्वारा मूल्यांकन |	तीनों सेवाओं की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए सुझाव दिए जाएँगे |	सार्वजनिक सेवाओं का सर्वेक्षण (राशन की दुकान,आंगनबाड़ी, अस्पताल) |
नवंबर	7. नगर प्रशासन	- नगर पालिका के कार्यों को समझाना| - नगर निगम की जिम्मेदारी को समझाना | - वार्ड के अंदर आने वाली समस्याओं से अवगत कराना |	- व्याख्यान विधि - चार्ट विधि	कोलार्ज तैयार करवाया|	छात्राएँ नगरपालिका, नगर निगम के कार्यों में अंतर करना सीखेगी |	- नगर निगम को होने वाली आय के स्रोत संबंधी प्रश्न पूछेंगे | - मौखिक परीक्षा |	स्वयं के द्वारा जिम्मेदारी को पूरा किया जाए |	अपने आस-पास के वातावरण में सफाई, बिजली, पानी आदि की व्यवस्था का सर्वेक्षण |

दिसंबर	8. ग्रामीण क्षेत्र में आजीविका	विभिन्न प्रकार की आजीविका के बारे में जान सकेंगे |	प्रदर्शन विधि (बाजार ले जाकर भिन्न-भिन्न आजीविका के साधनों के बारे में बताया जाएगा) |	- कलपट्टू गांव का वीडियो दिखाया| - सीढ़ीनुमा खेती का वीडियो दिखाया|	ग्रामीण क्षेत्र को जाननें की रुचि |	लिखित परीक्षा द्वारा मूल्यांकन |	छात्राएँ जैविक खेती करने के लिए प्रोत्साहित होंगी |	छात्राएँ विविध आजीविका को समझ कर आगामी जीवन के व्यवसाय पर विचार कर पाएँगी |
जनवरी	9. शहरी क्षेत्र में आजीविका	- शहरों में होने वाली आजीविका का ज्ञान देना | - फैक्ट्री, ऑफिस में रोजगार का ज्ञान |	व्याख्यान विधि	स्थानीय फैक्ट्री आदि में ले जाया जाएगा |	अखबार पढ़कर भिन्न-भिन्न आजीविका का तुलनात्मक अध्ययन कर पाएँगी |	मौखिक परीक्षा द्वारा मूल्यांकन |	सर्वोत्तम सूचना को विद्यालय के सूचना पट्ट पर लगाना |	छात्राओं ने शहरी क्षेत्र की आजीविका के समस्याओं को जानेंगी तथा उन्हें दूर करने के उपाय समझेंगी |

Dr. Sushma Jain
Principal
Principal
Pratibhasthali Gyanodaya Vidyapeeth
Tilwaraghat, Jabalpur-482001